छतरपुर, शुक्रवार 18 नवंबर 2022 ● वर्ष -02 ● अंक -22 ● पृष्ठ -08 ● मूल्य - 2 www.veer drishiti@gmail.com

दैनिक
वीर दृष्टि
एक नजर में पूरा सच बेहिचक

RNI No. MPHIN/2009/31014

संपादक : शबाना चांदबाबू खान
मो. 9893 078 3 85, 7974014594
संरक्षक : अजय अग्रवाल (अज्जू भइया)

सुविचार

समय परिवर्तन का धन है। परंतु घड़ी उसे केवल परिवर्तन के रूप में दिखाती है, धन के रूप में नहीं।

- रवींद्रनाथ ठाकुर

पेज -4 बढ़ती भुखमरी और भोजन की... पेज -5 पीएम मोदी सीमा पर खड़े हो जाएं तो चीन... पेज -3 सीमेंट पोल की जगह लकड़ी और बांस के खंभे...

उदयपुर रेलवे ब्रिज ब्लास्ट मामले में 3 गिरफ्तार, 1 बाल अपचारी निरुद्ध

■ रेलवे ट्रैक के लिए जमीन अधिग्रहण का मुआवजा न मिलने से रची गई थी साजिश

जयपुर। आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने उदयपुर रेलवे ब्रिज पर ब्लास्ट मामले का गुरुवार को खुलासा किया। एटीएस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। मामले में एक बाल अपचारी को निरुद्ध किया गया है। आरोपितों में विस्फोटक बेचने वाला भी शामिल है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि रेलवे ट्रैक के लिए जमीन अधिग्रहण का मुआवजा न मिलने के कारण साजिश रची गई थी। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। आरोपितों ने रेलवे के अधिकारियों को दो साल पहले भी पुल उड़ाने की धमकी दी थी। रेलवे लाइन में जमीन अधिग्रहण को लेकर आरटीआई के जरिए जानकारी मांगी थी।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) और स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) अशोक राठौड़ ने गुरुवार शाम को पत्रकारों से चर्चा करते हुए ब्लास्ट मामले से संबंधित अहम जानकारी दी। उन्होंने कहा आरोपित धूलचंद मीणा (32), प्रकाश मीणा (18) और एक 17 साल के लड़के को पकड़ा गया है। तीनों उदयपुर के जावर माइंस के एकलिंगपुरा के रहने वाले हैं। विस्फोटक बेचने वाले अंकुश सुवालका को भी हिरासत में लिया है। अंकुश के पिता फतेहलाल सुवालका की विस्फोटक बेचने की दुकान है। अभी तक की पूछताछ में सामने आया कि उनका उद्देश्य जनहानि का नहीं था। इस घटना के बाद से तीनों आरोपित मोबाइल बंद कर उदयपुर के सविना में छिपे थे।

विस्फोटक लगाने के बाद बाइक से निकल गए

राठौड़ ने बताया कि आरोपितों ने ट्रेन निकलने के बाद विस्फोटक लगाया था। इससे साफ होता है कि जनहानि की मंशा नहीं थी। विस्फोटक लगाने के बाद तीनों बाइक से निकल गए थे। ब्लास्ट के लिए विस्फोटक धोलकी पाटी इलाके में अंकुश सुवालका से लिया गया था। सिर्फ सरकारी सिस्टम का ध्यान आकर्षित करने के लिए साजिश रची गई थी। इसमें मुख्य आरोपित धूलचंद हिंदुस्तान जिंक में पहले काम कर चुका है। ब्लास्टिंग के बारे में उसे थोड़ी-बहुत जानकारी पहले से ही थी। उसने अपने गांव के ही रहने वाले चचेरे भाइयों को इस प्लान में शामिल किया। उसने दोनों भाइयों से कहा था कि हल्का नुकसान होगा।

20 नवम्बर से 3 दिसम्बर तक होंगी 11 हजार 757 ग्रामों में ग्राम सभाएं, सीएम बोले-

जनजातीय वर्ग को जल, जंगल और जमीन के अधिकार देने पहली बार हुआ गंभीर प्रयास

■ भोपाल में 22 नवम्बर को होगी राज्य स्तरीय पेसा कार्यशाला

■ कलेक्टर्स को पेसा नियम जमीन पर उतारने के लिए भूमिका निभाने के निर्देश

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि जनजातीय वर्ग को महत्वपूर्ण अधिकार देने के उद्देश्य से प्रदेश में 15 नवम्बर से लागू पेसा नियम को जमीन पर उतारने के लिए कलेक्टर्स संबंधित विभिन्न विभागों के साथ सक्रिय भूमिका का निर्वहन करें। पेसा जागरूकता सम्मेलन से संबंधित वर्ग को नियमों की विस्तृत जानकारी दी जाए। आज नर्मदापुरम जिले के केसला में पेसा जागरूकता सम्मेलन का सफल आयोजन हुआ है। अन्य जिलों में भी ऐसे सम्मेलन किए जाएंगे। साथ ही 22 नवम्बर को राज्य स्तरीय पेसा कार्यशाला भोपाल में होगी। इसमें 7 संभाग- चम्बल, उज्जैन, इंदौर, नर्मदापुरम, जबलपुर, शहडोल और रीवा के कमिश्नर्स और आईजी, 20 जिले श्योपुर, रतलाम, धार, झाबुआ, अलीराजपुर, खरगौन, बड़वानी, खण्डवा, बुरहानपुर, बैतूल, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, सिवनी, मण्डला, डिंडौरी, बालाघाट, शहडोल, अनुपपूर, उमरिया और सीधी के कलेक्टर्स, पुलिस अधीक्षक, डीएफओ और जिला पंचायत के सीईओ हिस्सा लेंगे। मुख्यमंत्री चौहान ने आज निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा पेसा जागरूकता कार्यक्रम संबंधी निर्देश कलेक्टर्स को दिये।

ग्राम सभाएं 20 नवम्बर से 3 दिसम्बर के मध्य होंगी

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश के जनजातीय भाई-बहनों के लिए पेसा के नियमों को पूरी ताकत के साथ लागू करने का पहली बार गंभीरता से प्रयास हुआ है। प्रदेश के 20 जिलों के 89 विकासखण्डों की 5 हजार 254 पंचायतों के 11 हजार 757 ग्रामों में यह नियम लागू हैं। इन ग्रामों की ग्राम सभाएँ 20 नवम्बर से 3 दिसम्बर के मध्य होंगी। इन विशेष ग्राम सभाओं में पेसा नियमों के बिन्दुओं पर चर्चा के साथ विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इसी तरह ग्राम सभाएँ पेसा नियम लागू होने के लिए धन्यवाद प्रस्ताव पारित करेंगी और 4 दिसम्बर को टंट्या मामा बलिदान दिवस के कार्यक्रमों में भागीदारी पर भी चर्चा करेंगी। प्रभारी मंत्रियों के परामर्श से कलेक्टर्स ग्राम सभा की तारीख तय करेंगे।

पेसा एक्ट से जनजाति क्षेत्रों में ग्राम सभा अधिकार सम्पन्न होगी

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि जल, जंगल, जमीन पर जनजातीय वर्ग का अधिकार है। राज्य सरकार उनके हक को दिला रही है। प्रदेश में जनजातीय वर्ग को सशक्त और अधिकार सम्पन्न बनाने के लिये पेसा एक्ट लागू किया गया है, जिससे उनके जीवन में खुशहाली आएगी। गाँव का पैसा गाँव के विकास में ही उपयोग होगा। छल और कपट से प्रदेश की धरती पर धर्मांतरण नहीं होने देंगे। मुख्यमंत्री चौहान गुरूवार को नर्मदापुरम जिले के जनजातीय ब्लॉक केसला में पेसा जागरूकता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पेसा एक्ट से मिले अधिकारों के प्रति जनजातीय समुदाय को जागरूक किया। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि पेसा एक्ट से जनजातीय वर्ग को मजबूती मिलेगी। नये नियमों के अनुसार अब पटवारी और बीट गार्ड को गाँव की जमीन का नक्शा, खसरा, बी वन नकल, गाँव में ही लाकर ग्राम सभा में दिखाने होंगे, जिससे जमीन के रिकॉर्ड में कोई गड़बड़ी न कर सके। यदि कोई गड़बड़ी करता है तो ग्राम सभा को उसे ठीक करने का अधिकार रहेगा। किसी प्रोजेक्ट के लिये जमीन लेने के लिये ग्राम सभा की सहमति जरूरी होगी।

सरकार भोपाल से नहीं चौपाल से चले

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि एक नया इतिहास रचना है। सरकार भोपाल से नहीं चौपाल से चले, इसके लिए विकेंद्रीकरण की दृष्टि से कार्य किया जाए। पेसा नियमों के बारे में नुक्कड़ नाटक, दीवार लेखन और अन्य माध्यमों से आवश्यक प्रचार भी किया जाए। जन अभियान परिषद का पूरा सहयोग प्राप्त किया जाए। जनजातीय वर्ग के लोगों को मजबूत बनाने के लिए यह एक क्रांतिकारी निर्णय लिया गया है। जनजातीय परम्पराओं और संस्कृति के संरक्षण का कार्य भी पेसा नियम का प्रमुख भाग है। यही नहीं श्रमिकों के अधिकारों का भी विशेष ध्यान रखा गया है। पेसा नियमों के लिए वन विभाग के अलावा पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जनजातीय कार्य, मछली पालन, राजस्व, गृह, खनिज, जल संसाधन और वाणिज्यिक कर विभाग का परस्पर समन्वय रहेगा।

प्रशिक्षण की व्यूह रचना

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि पेसा नियमों के संबंध में विशेष प्रशिक्षण की रूपरेखा बनाई गई है। हर ग्राम सभा के लिए 27 नवम्बर तक मास्टर ट्रेनर्स का चिन्हांकन करते हुए उन्हें प्रशिक्षण देने के लिए 25 से 30 नवम्बर की अवधि निर्धारित की गई है। इसके बाद मास्टर्स ट्रेनर 5 दिसम्बर से आवंटित किए गए ग्रामों में जाएंगे और वहाँ दो से तीन दिन रूक कर सरल भाषा में ग्राम सभा में पेसा नियमों की बारीकियाँ समझाएंगे। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि पेसा नियमों से अन्य पिछड़ा वर्ग या किसी अन्य वर्ग पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं होगा। ग्राम सभाओं में भी जनजातीय वर्ग के अलावा अन्य वर्गों के सदस्य शामिल हैं। सामाजिक ताना-बाना यथावत रहेगा। आज की बैठक में जन अभियान परिषद के महानिदेशक बी.आर. नायडू सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री गडकरी की सेहत बिगड़ी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) परियोजनाओं के शिलान्यास और लोकार्पण के लिए शुक्रवार सुबह पहुंचे केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की सेहत बिगड़ गई है। बताया गया कि रक्त में शुगर का लेवल बहुत कम होने से समस्या हुई है और उनकी हालत चिंताजनक नहीं है। बताया गया कि केन्द्रीय मंत्री गडकरी का पहला कार्यक्रम उत्तर बंगाल के सिलीगुड़ी में था, जहां वे 1206 करोड़ रुपये की तीन एनएच परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने वाले थे। केन्द्रीय मंत्री दोपहर 12 बजे के करीब सिलीगुड़ी से दुर्गापुर ग्राउंड में पहुंचे थे। उन्होंने मंच पर चढ़कर उन्होंने अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। बताया गया कि उसके बाद ही गडकरी अस्वस्थ महसूस करने लगे। उन्होंने अपने साथ के अधिकारियों को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद उन्हें तुरंत मंच से नीचे लाया गया। कार्यक्रम स्थल पर उनकी सेहत बिगड़ने की सूचना मिलने के तुरंत बाद डॉक्टर और एंबुलेंस भी भी पहुंच गए। सूत्रों ने बताया है कि उनके रक्त में शुगर का लेवल बहुत कम हो गया है, जिसकी वजह से उनकी सेहत बिगड़ी है। फिलहाल उन्हें स्लाइन चढ़ाया जा रहा है। हालांकि मंत्री की सेहत के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। खबर लिखे जाने तक उनका इलाज चल रहा था लेकिन हालत चिंताजनक नहीं है।

अमेरिकी जनरल का दावा- रूस नहीं जीत पाएगा यूक्रेन से लड़ाई

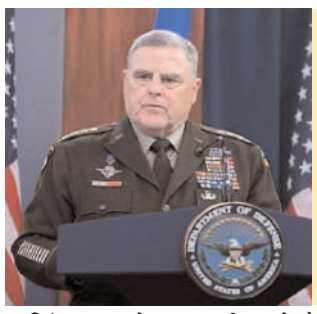

सैन्य कार्रवाई के जरिए यूक्रेन से रूस को बाहर निकालना मुश्किल

जनरल मिले ने कहा कि सैन्य कार्रवाई के जरिए यूक्रेन से रूस को बाहर निकालना काफी मुश्किल है। यह तब तक नहीं हो सकता, जब तक कि रूसी सेना पूरी तरह से ध्वस्त नहीं हो जाती। उन्होंने कहा कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के नौ महीने के आसपास होने के बावजूद यूक्रेन के हिस्से में अधिक सफलताएं आई हैं और रूस हर पैमाने पर विफल रहा है। रूस इस युद्ध के माध्यम से जो हासिल करना चाहता था, वह हासिल नहीं कर सका है। यूक्रेन ने न सिर्फ हर पैमाने पर रूस का डटकर सामना किया, बल्कि मुंहतोड़ जवाब भी दिया है।

वाशिंगटन। यूक्रेन पर रूसी हमले के नौ महीने होने वाले हैं। इस बीच अमेरिका के एक शीर्ष जनरल ने दावा किया है कि यूक्रेन के साथ शुरू की गयी यह लड़ाई रूस नहीं जीत पाएगा। रूस ने यूक्रेन पर इस वर्ष 24 फरवरी को हमला किया था। लगभग नौ महीने बीतने के बावजूद दोनों देशों के बीच घमासान जारी है। अब अमेरिका के शीर्ष सैन्य अधिकारी जनरल मार्क मिले के दावे ने रूस की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। यूक्रेन रक्षा संपर्क समूह की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में अमेरिकी ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टॉफ के अध्यक्ष जनरल मार्क मिले ने कहा कि यूक्रेन बहुत बड़ा देश है। यूक्रेन को जीतने और उस पर कब्जा करने की रूस की संभावना नगण्य या कहा जाए तो लगभग शून्य के बराबर है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेन अपने देश से रूस को पूरी तरह बाहर कर पाएगा, इसकी संभावना भी कम है। उन्होंने दावा किया कि इस समय यूक्रेन का बीस प्रतिशत हिस्सा रूस के कब्जे में है।

बांग्लादेश में श्रद्धा जैसा मर्डरः हिंदू लड़की का सिर काटकर मार डाला

बांग्लादेश के खुलना में दिल्ली के श्रद्धा वालकर जैसा मर्डर केस सामने आया है। यहां एक शादीशुदा शख्स ने अपनी हिंदू प्रेमिका का सिर काटकर कत्ल कर दिया। इसके बाद शव के टुकड़े किए और उन्हें नाले में बहा दिया। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। बांग्लादेश पोस्ट के मुताबिक- मारी गई लड़की का नाम कविता और आरोपी का नाम नाम अबु बकर है। आरोपी ने पुलिस को बताया कि कई दिन से उसके और कविता के बीच झगड़ा चल रहा था। इसी से तंक आकर उसने कविता का कत्ल कर दिया।

पुलिस ने कहा- दोनों रिलेशन में थे

बांग्लादेश पुलिस ने बताया- कविता और अबु रिलेशन में थे। कविता को पहले यह पता नहीं था कि अबु शादीशुदा है। अबु ने उसे कभी यह बताया भी नहीं। जब लड़की को यह पता लगा कि अबु ने उसे धोखा दिया है तो उसने इसका विरोध किया। इसके बाद दोनों में रोज लड़ाई होने लगी। इसके बाद अबु ने कविता को रास्ते से हटाने का फैसला किया। पहले सिर काटकर कत्ल किया। इसके बाद शरीर के 3 टुकड़े किए और एक बैग में रख दिए। बाद में उन्हें नाले में बहा दिया।

सीन रीक्रिएट करने हिमाचल ले जाएगी पुलिस

श्रद्धा मर्डर केस में आफताब का नार्को टेस्ट होगा, कोर्ट ने पांच दिन की रिमांड भी दी

नई दिल्ली। दिल्ली में 27 साल की श्रद्धा के मर्डर के आरोपी आफताब अमीन पूनावाला को गुरुवार को साकेत कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेश किया गया। कोर्ट ने आफताब की पुलिस कस्टडी 5 दिन बढ़ा दी है। पुलिस ने कोर्ट में आरोपी को हिमाचल की पार्वती घाटी और दिल्ली के वन क्षेत्रों में ले जाकर सीन रीक्रिएट करने की बात कही थी। कोर्ट ने आफताब के नार्को टेस्ट की परमिशन दी है। बताया गया है कि आफताब ने भी इस टेस्ट के लिए अपनी सहमति जताई है।

वकीलों ने प्रदर्शन किया, बोले- फांसी दो

साकेत कोर्ट के बाहर वकीलों ने प्रदर्शन करके जमकर नारेबाजी की। वकीलों की मांग थी कि श्रद्धा के कातिल आफताब पूनावाला को फांसी की सजा दी जानी चाहिए। वकीलों के प्रदर्शन के कारण कोर्ट परिसर में काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। पुलिस को इस प्रदर्शन का इनपुट पहले से ही था, इसलिए उसने कोर्ट से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेशी की मांग की थी।

आफताब ने 10 घंटे तक श्रद्धा के टुकड़े किए, थका तो खाना खाया, बीयर पी

श्रद्धा वॉकर मर्डर केस में आरोपी आफताब अमीन पूनावाला अब भी पुलिस को लगातार गुमराह करने की कोशिश कर रहा है। आफताब के झूठ लगातार सामने आ रहे हैं। उसने इस शातिराना तरीके से हत्या की है कि पुलिस के लिए अदालत में इस हत्या को साबित करना बड़ी चुनौती है। पुलिस के मुताबिक उसे श्रद्धा को मारने का अफसोस नहीं है। वह लॉकअप में चैन से सो रहा है। साकेत कोर्ट ने उसकी रिमांड 5 दिन बढ़ा दी है, यानी वह कुछ दिन और लॉकअप में ही रहेगा।

राजीव गांधी हत्याकांड; दोषियों को रिहा करने के खिलाफ दायर की पुनर्विचार याचिका

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी हत्याकांड में छह दोषियों को रिहा करने के खिलाफ केंद्र सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर की। पिछले शुक्रवार यानी 11 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने इनकी रिहाई के आदेश दिए थे, इसके बाद शनिवार शाम तमिलनाडु की अलग-अलग जेलों से इन्हें रिहा किया गया। इनमें नलिनी श्रीहरन, उसका पति वी श्रीहरन के अलावा संथन, रॉबर्ट पायस, जयकुमार और रविचंद्रन शामिल हैं। इनमें श्रीहरन और संथन श्रीलंका के नागरिक हैं।

प्रतिवादी पक्ष को बड़ा झटका, अब दो दिसंबर को होगी मामले की अगली सुनवाई

ज्ञानवापी मामलाः भगवान आदि विश्वेश्वर विराजमान की याचिका सुनवाई योग्य, अदालत का फैसला

औरंगजेब ने मंदिर तोड़ने और मस्जिद बनवाने का आदेश दिया था

वादी पक्ष के अधिवक्ताओं ने कहा कि दीन मोहम्मद के फैसले में कोई हिंदू पक्षकार उस मुकदमे में नहीं था इसलिए हिंदू पक्ष पर लागू नहीं होता है। यह भी दलील दी कि विशेष धर्म स्थल विधेयक 1991 इस वाद में प्रभावी नहीं है। स्ट्रक्चर का पता नहीं कि मंदिर है या मस्जिद, जिसके ट्रायल का अधिकार सिविल कोर्ट को है। यह ऐतिहासिक तथ्य है कि औरंगजेब ने मंदिर तोड़ने और मस्जिद बनवाने का आदेश दिया था। वक्फ एक्ट हिन्दू पक्ष पर लागू नहीं होता है। ऐसे में यह वाद सुनवाई योग्य है और अन्जुमन की तरफ से पोषणीयता के बिंदु पर दिया गया आवेदन खारिज होने योग्य है। इसके अलावा अधिवक्ताओं ने दलीलें रखी थी कि राइट टू प्रॉपर्टी के तहत देवता को अपनी प्रॉपर्टी पाने का मौलिक अधिकार है। ऐसे में नाबालिग होने के कारण वाद मित्र के जरिये यह वाद दाखिल किया गया है।

वाराणसी। ज्ञानवापी परिसर हिंदुओं को सौंपने सहित तीन मांगों को लेकर भगवान आदि विश्वेश्वर विराजमान की याचिका पर गुरुवार को सिविल जज (सीनियर डिवीजन) फास्ट ट्रैक कोर्ट महेंद्र कुमार पांडेय की अदालत में सुनवाई हुई। अदालत ने दाखिल वाद को सुनवाई योग्य माना है। अब इस मुकदमे में अगली सुनवाई दो दिसंबर को होगी। अदालत के इस फैसले से प्रतिवादी मुस्लिम पक्ष को बड़ा झटका लगा है। इस याचिका पर विगत 15 अक्टूबर को अदालत में दोनों पक्षों की दलीलें पूरी हो गई थीं। तभी से आदेश में पत्रावली लंबित थी। इस मामले में वादिनी किरन सिंह की तरफ से उनके अधिवक्ता ने याचिका के जरिये ज्ञानवापी परिसर में मुस्लिमों का प्रवेश वर्जित करने, परिसर हिंदुओं को सौंपने और शिवलिंग की पूजा-पाठ, राग-भोग की अनुमति मांगी गई थी। विश्व वैदिक सनातन संघ के अधिवक्ता के अनुसार अदालत ने मुस्लिम पक्ष की आपत्ति को खारिज कर दिया है। वादिनी किरन सिंह के अधिवक्ताओं ने अपनी दलील में कहा था कि वाद सुनवाई योग्य है या नहीं, इस मुद्दे पर अंजुमन इंतजामिया की तरफ से जो आपत्ति उठाई गई है, वह साक्ष्य एवं ट्रायल का विषय है। ज्ञानवापी का गुंबद छोड़कर सब कुछ मंदिर का है जब ट्रायल होगा तभी पता चलेगा कि वह मस्जिद है या मंदिर।

राहुल गांधी के बयान पर महाराष्ट्र का सियासी पारा चढ़ा

राहुल ने सावरकर की अंग्रेजों को लिखी चिट्ठी दिखाईः दावा किया- वो अंग्रेजों के नौकर बने रहना चाहते थे, गांधी-नेहरू ने ऐसा नहीं किया

अकोला। भारत जोड़ो यात्रा पर निकले राहुल गांधी ने एक बार फिर सावरकर पर निशान साधा है। राहुल ने गुरुवार को अकोला में मीडिया के सामने एक चिट्ठी दिखाई। उन्होंने बताया कि सावरकर ने ये चिट्ठी अंग्रेजों को लिखी थी। उन्होंने खुद को अंग्रेजों का नौकर बने रहने की बात कही थी। साथ ही डरकर माफी भी मांगी थी। गांधी-नेहरू ने ऐसा नहीं किया, इसलिए वे सालों तक जेल में रहे। इधर, राहुल के इस बयान पर महाराष्ट्र का सियासी पारा भी चढ़ गया है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने आपत्ति जताई है। वहीं पिछली सरकार में कांग्रेस के सहयोग से राज्य के ष्टरूरहे उद्धव ठाकरे ने राहुल के बयान से असहमति जताई है। बता दें कि इसी हफ्ते कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में उद्धव के बेटे आदित्य ठाकरे राहुल के साथ शामिल हुए थे। सावरकर के पोते रंजीत सावरकर ने मुंबई के शिवाजी पार्क पुलिस स्टेशन में राहुल गांधी और महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले की शिकायत की है। रंजीत ने बताया- राहुल कहते हैं कि सावरकर अंग्रेजों की नौकरी करते थे और उनसे पेंशन लेते थे। सावरकर देश के खिलाफ काम करते थे। राहुल ने ऐसा बोलकर वीर सावरकर का अपमान किया है।

एकनाथ और उद्धव को भी राहुल के बयान पर ऐतराज

महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा- महाराष्ट्र के लोग हिंदू विचारक व्यक्ति का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे। वीर सावरकर के अपमान को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। महाराष्ट्र में श्रद्धेय स्वतंत्रता सेनानी का अपमान किया गया और कुछ ऐसे भी लोग थे जो इसे सहते रहे। सावरकर का अपमान करने वालों के प्रति एक नरम रुख अपनाया जा रहा है। शिंदे का इशारा उद्धव ठाकरे की ओर था। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा- हमारी पार्टी सावरकर का बहुत सम्मान करती है।

ये है खाद्य मंत्री का जिला चावल का स्टॉक खत्म गरीबो को नवंबर माह का नहीं मिल सकेगा खाद्यान्न

दैनिक वीरदृष्टि /अमित तिवारी
अनूपपुर

खाद्य मंत्री बिसाहूलाल सिंह के गृह जिले में बीते 16 दिनों से चावल की अनुपलब्धता चुनौती बन गई है, जिसके कारण पुष्पराजगढ़, अनूपपुर एवं जैतहरी की द्वार प्रदाय योजना बंद हो गई है। जानकारी के अनुसार जिले में प्रत्येक माह 6 हजार टन चावल की खपत है। लेकिन जिले में मात्र 3 हजार क्विंटल चावल ही स्टॉक में है। चावल की कमी को देखते हुये फोर्टीफाइट चावल को भी पीएमजीकेएवाई व राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (रेग्यूलर स्कीम) में भेजा रहा है। लेकिन जिले में मात्र 16 हजार 500 क्विंटल फोर्टीफाइट चावल का स्टॉक है। चावल की अनुपलब्धता के कारण माह नवम्बर में गरीबो को खाद्यान्न का वितरण नही हो सकेगा। 5 लाख 74 हजार 306 लोगो को नही मिल सकेगा चावल जानकारी के अनुसार जिले में 306 शासकीय उचित मूल्य की दुकानें संचालित है। जिसमें 1 लाख 45 हजार 690 परिवार व 5 लाख 74 हजार 306 सदस्य है। लेकिन जिले में चावल का स्टॉक खत्म हो जाने के कारण चावल का उठाव पूरी तरह से बंद हो गया है और इस नतीजा यह है कि माह नवम्बर में गरीबो को मिलने वाले चावल का वितरण नही हो सकेगा। सिर्फ जैतहरी विकासखंड में ही गरीबो को माह नवम्बर का खाद्यान्न सही समय पर मिल सकेगा। क्योकि अब तक द्वार प्रदाय के माध्यम से जैतहरी अंतर्गत आने वाले 60 प्रतिशत दुकानों में खाद्यान्न पहुंच चुका है और अभी 3 हजार क्विंटल प्लेन चावल व 11 हजार 500 क्विंटल फोर्टीफाइड चावल का स्टॉक बचा हुआ है। प्रत्येक माह 6 हजार टन चावल का आवंटन जिले में संचालित 306 शासकीय उचित मूल्य

की दुकानों में गरीबों को वितरण किये जाने वाले चावल की खपत 6 हजार टन है। लेकिन जिले में मात्र 3 हजार क्विंटन नर्मल चावल व 16 हजार 500 क्विंटल फोर्टीफाइड चावल का स्टॉक है। पुष्पराजगढ़ विकासखंड में पूरी तरह से चावल का स्टॉक खत्म हो जाने के बाद पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को एवं कोतमा में चावल स्टॉक जीरों होने पर कोतमा विधायक सुनील सराफ ने कलेक्टर को पत्र लिखकर चिंता जाहिर करते हुए गरीबो को खाद्यान्न वितरण किये जाने की मांग की हैं। वहीं पुष्पटराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह को अपने लोगो से सरोकार नहीं हैं। पुष्पराजगढ़ विधायक गरीबों के हक की बात को छोड़ अपना अलग की राग अलाप रहे है।

पुष्पराजगढ़, अनूपपुर व कोतमा में चावल खत्म जिले में गरीबों को वितरण किये जाने वाले चावल का स्टॉक पुष्पराजगढ़ सहित अनूपपुर व कोतमा पूरी तरह से खत्म हो चुका है, जिसके कारण बीते 1 नवम्बर से द्वार प्रदाय योजना का कार्य बंद पड़ा है। वहीं चावल की कमी को पूरा करने के लिये नागरिक आपूर्ति विभाग के प्रबंधक अरूण रावत द्वारा सतना जिले से 40 हजार क्विंटल चावल का आर्डर दिये गया। जिसके परिवहन का ठेका दिलीप जायसवाल को मिला। लेकिन 10 दिन बीत जाने के बाद भी आज दिनांक तक सतना से चावल की खेप नही पहुंच सकी है।

16 दिनो से अनाज प्रदाय योजना पड़ी बंद जिले में चावल का स्टॉक खत्म होने के कारण द्वार प्रदाय योजना पिछले 16 दिनों से बंद पड़ी हुई है। जानकारी के अनुसार जिले के चारों विकासखंडो में सिर्फ जैतहरी विकासखंड अंतर्गत आने वाली शासकीय दुकानों में माह नवम्बर में वितरित किये जाने वाला चावल है। लेकिन पुष्पराजगढ़, अनूपपुर एवं कोतमा विकासखंड में चावल का स्टॉक खत्म हो चुका है। जहां पुष्पराजगढ़ में किसी भी दुकानों में नवम्बर माह के खाद्यान्न ही नही पहुंच सका है, जिसके लिये 2 हजार टन चावल व कोतमा तथा अनूपपुर विकासखंड में अब भी 17025.62 क्विंटल चावल की आवश्यकता बनी हुई है। जिसके लिये बीते 10 दिन पहले नागरिक आपूर्ति के जिला प्रबंधक द्वारा सतना जिले से 40 हजार क्विंटल चावल का आर्डर किया गया था। जो अब तक जिले में नही पहुंच सका है।

इनका कहना है

जिले में चावल की अनुपलब्धता बनी हुई है, इसके लिये सतना जिले से 40 हजार क्विंटल चावल का आर्डर जारी किया गया है। लेकिन परिवहन ठेकेदार चावल नही पहुंचाया गया।

अरूण रावत जिला प्रबंधक
नागरिक आपूर्ति निगम अनूपपुर

मुख्यमंत्री कन्यादान सामूहिक विवाह की तैयारी के संबंध में जबेरा विधायक ने अधिकारियों की बैठक ली

हेमराज सिंह - जबेरा

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तैयारी के संबंध में विधायक ने ली अधिकारियों की बैठक तेंदूखेड़ा में मुख्यमंत्री कन्यादान सामूहिक विवाह योजना के तैयारी के संबंध में संबंधित अधिकारियों के साथ एक बैठक जबेरा विधायक धर्मेंद्र सिंह लोधी ने तेंदूखेड़ा जनपद सभागार में ली संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए की मुख्यमंत्री कन्यादान सामूहिक विवाह कार्यक्रम 4 दिसंबर को आयोजित किया जाएगा जिसमें सभी संबंधित अधिकारी जिन लोगों को जो दायित्व दिया गया है उसी के अनुसार मुख्यमंत्री कन्यादान सामूहिक विवाह को सकुशल संपन्न कराने के लिए अभी से ही तैयारी करना सुनिश्चित करें ताकि विवाह कार्यक्रम के दौरान कोई समस्या न हो। इस दौरान आईटीआई तेंदूखेड़ा में मुख्यमंत्री कन्यादान सामूहिक विवाह कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण भी जबेरा विधायक धर्मेंद्र सिंह ने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों अधिकारियों के साथ किया इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश जैन सांसद प्रतिनिधि मूरत सिंह अरविंद जूदेव गोविंद सिंह यादव भारत सिंह रत्नेश सिंह सहित प्रशासनिक अधिकारियों में एसडीएम अविनाश रावत जनपद सीईओ हलदर मिश्रा की उपस्थिति रही।

माझी समुदाय को अधिकारों से वंचित कर रही भाजपा सरकार सरकार का आदेश, जल -जंगल जमीन अब सिर्फ आदिवासियों को

मध्यप्रदेश में माझी पंचायत से सरकार के खिलाफ फूकेंगे विद्रोह का बिगुल

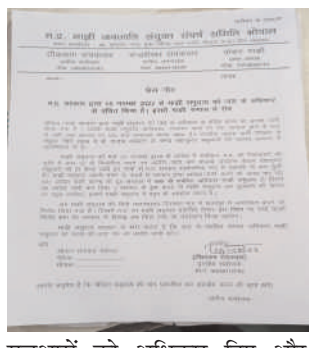

ब्यूरो पन्ना। मध्यप्रदेश की शिवराज सरकार ने हाल ही में 15 नवंबर 2022 को बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर प्रदेश की जल जमीन और जंगल के अधिकार देने का वायदा किया । इस आदेश से प्रदेश के वंशानुगत माझी मछुआरों की रोजी-रोटी छीनने का डर पैदा हो गया है, एक तरह से सरकार अपने ही आदेश से एक वर्ग को खुश करने के चक्कर में दूसरे माझी आदिवासी वर्ग को भुखमरी की कगार पर धकेल रही है। छतरपुर के माझी पंचायत में सरकार के इस दमनकारी आदेश का विरोधकर विद्रोह का बिगुल फूंका जाएगा। मध्य प्रदेश माझी जनजाति संयुक्त संघर्ष समिति के प्रांतीय महासचिव सुंदरलाल रायकवार ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर सरकार पर यह आरोप लगाए हैं । प्रेस को जारी विज्ञप्ति में सुंदर लाल रैकवार के अनुसार मध्यप्रदेश में माझी को संवैधानिक अधिकार के लिए लगातार समाज संघर्ष कर रही है यहां तक की प्रदेश सरकार ने हमेशा माझी समाज का वोट हासिल किया। मछुआ नीति में भी वंशानुगत मछुआरों को अधिकार दिए और संगठन के चुनाव में माझी समस्या निराकृत कर माझी की उप जातियों को एसटी का दर्जा दिलाने हेतु संकल्प घोषणापत्र में शामिल किया। मध्य प्रदेश की माझी मछुआरा समाज इसी प्रत्याशा में सरकार का मुह ताक रही है, और बार-बार शिवराज सरकार से आग्रह कर ज्ञापन सौंप रही है, सरकार ने भरोसा भी दिलाया आश्वासन भी दियाथा कि वह शीघ्र ही माझी समाज की त्वरित समस्याओं का निदान करेंगे, परंतु सरकार का यह दोगलापन अब साफ दिखाई दिया, जब आदिवासी सम्मेलन में सीएम शिवराज सिंह चौहान ने घोषणा कर जल जंगल और जमीन पर अब आदिवासियों का अधिकार होगा । इस तरह से माझी आदिवासी समुदाय अपने अधिकारों के लिए संघर्षरत और घोषित आदिवासियों के बीच वर्ग भेद सरकार स्वयं पैदा कर रही है । सरकार के मुखिया ने मध्य प्रदेश के प्रमुख विधानसभा चुनाव एवं उपचुनाव में बार-बार यह घोषणा की है कि वह प्रदेश के वंशानुगत मछुआरों के अधिकारों की सुरक्षा करेंगे और उनकी समस्या का निराकरण करेंगे परंतु चुनाव होते ही इन वायदों को भूल जाती हैं माझी समस्या का निराकरण करना तो दूर अब उनके अधिकारों कोछीन कर उनका मूल अस्तित्व ही खत्म करना चाहती हैसरकार, इसलिए प्रदेश की माझी मछुआरा समाज को एकत्रित कर अब यह आदेश वापस करने के लिए प्रदेश की माझी जनजाति संयुक्त संघर्ष समिति एक आंदोलन चलाएगी । इसकी घोषणा छतरपुर की माझी पंचायत में की जाएगी। प्रेस विज्ञप्ति जारी कर प्रदेश के संयोजक टीकाराम रैकवार भोपाल प्रदेश अध्यक्ष केशव माझी ग्वालियर, प्रदेश समन्वयक चंद्रशेखर इंदौर, अनुशासन समिति अध्यक्ष अशोक गोपीचंद रायकवार सागर , मीडिया प्रभारी बृजेश बर्मन, डॉ कुलदीप सिंह रायकवार समेत अन्य पदाधिकारियों ने एक राय होकर अपनी बात रखते हुए सरकार से इस आदेश को वापस लेने का आग्रह किया है।

कलेक्टर की अनुशंसा पर पीड़ित को रक्तवीर सेवा दल ने उपलब्ध कराया ब्लड

वैसे तो कलेक्ट्रेट में सभी किसी न किसी समस्या को लेकर जिला कलेक्टर के पास जाते है परंतु एक पुत्र अपने पिता के साथ अपनी माँ को रक्त दिलाने की अर्जी लेकर पंहुचा।रक्तवीर सेवा दल के अमित जैन ने बताया कि कलेक्टर श्री संजीव जी आर को युवक ने बताया कि मेरी माँ गम्भीर बीमारी से पीड़ित है और उन्हें बाहर इलाज के दौरान लगभग 50 यूनिट ब्लड पहले चढ़ चुका है और अभी वह जिला अस्पताल में भर्ती है जिन्हें फिर से एक यूनिट ब्लड की अत्यंत आवश्यकता है और हमारे पास अब कोई विकल्प नही था जिस पर हम लोग कलेक्टर के पास अपनी अर्जी लेकर आये है।आनन्द विभाग के जिला प्रमुख लखन लाल असाटी के माध्यम से जानकारी मिलते ही सेवा दल के कई बार के रक्तदानी अल्पसंख्यक मोर्चा के अभिषेक जैन ने ब्लड बैंक पंहुचकर रक्तदान कर पीड़िता की जान बचाई। पीड़ित परिवार ने ऐसी परिस्थिति में साथ देने के लिए रक्तवीर सेवा दल तथा कलेक्टर संजीव जीआर का बहुत बहुत आभार व्यक्त किया है।

मनरेगा योजना मे काग़ज़ी मजदूर भर के निकले जा रहे पैसे, अधिकारी मौन

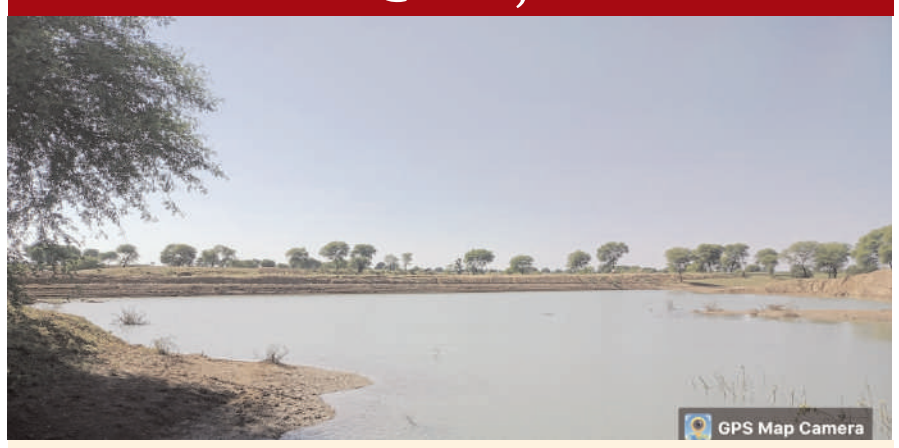

लक्ष्मण कुशवाहा हटा

काईखेड़ा। ग्राम पंचायतों मे 100 दिन का रोजगार ग्राम के ही मज़दूर को काम मिले शासन की इस मनसा से रोजगार गारंटी योजना बनाई गयी और पंचायत के कार्य मे काम कर के रोजगार मिले मजदूरों को पंचायत के कार्यो में ठेकेदारी प्रथा आने से मजदूरों का काम मशीनों से करा कर फर्जी मजदूरों की मजदूरी डाल के पैसा निकालना आम बात हो गई है। हटा जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत काईखेडा मे आरईएस द्वारा 30 लाख की ज़्यादा लागत से किसानो के लिए अमृत सरोवर तालाब का काम किया गया जिसकी गुणवत्ता पर भी संदेह है। रातो रात मशीनें से इसकी खुदाई की गयी थी अब उसी तालाब मे 50 से ज़्यादा लोगों की काम की हाजरी डाली जा रही है मौके पर जा के देखा तो एक भी मजदूर नहीं काम करते दिखा जबकि आज दिनाँक को पोर्टल पर मजदूर- मजदूरी करते दिख रहे है रोजगार गारंटी योजना को तरबतर करने मे अधिकारी भी कोई कसर नहीं छोड़ रहे है यही बजह है जिससे ग्राम के मजदूर वर्ग के लोग दूसरे प्रदेश मजदूरी करने के लिए पलायन हो जाते है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार हटा जनपद पंचायत मे अमृत सरोवर तालाब किसी नेता ने ठेके पर लिए है बनाने के लिए काईखेड़ा और महगुवांमाफी के बीचो बीच बना तालाब ये भी ठेकेदारी से बना।

करोड़ो के घोटाले में अंतिम रिपोर्ट पेश, सीएमओ, इंजीनियर पर रिकवरी व सेवा से बर्खास्त करने का आदेश

दैनिक वीरदृष्टि /अमित तिवारी
अनूपपुर/बिजुरी

अनूपपुर जिले की आदिवासी बाहुल्य बिजुरी नगर परिषद में करोड़ों का भ्रष्टाचार होने के बावजूद भी दोषियों के खिलाफ कार्यवाही नहीं किए जाने को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गयी थी। सरकार की ओर से विभागीय जांच की अंतिम रिपोर्ट पेश करते हुए बताया गया कि 11 दोषियों को दण्डित करते हुए रिकवरी के आदेश जारी कर दिए गए हैं। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रवि विजय कुमार मलिमठ तथा जस्टिस विशाल मिश्रा ने कार्यवाही की स्टेटस रिपोर्ट पेश करने के आदेश जारी करते अगली सुनवाई जनवरी माह के प्रथम सप्ताह में निर्धारित की है। उल्लेखनीय है कि यह जनहित का मामला बिजुरी निवासी राजेश द्विवेदी की ओर से दायर किया गया था। जिसमें कहा गया था कि बिजुरी नगर परिषद अविकसित है और बहुसंख्यक आबादी आदिवासी है। नगर परिषद बिजुरी द्वारा एवं अन्य अधिकारीयों की संरक्षण में 50 करोड़ रुपये से अधिक का भ्रष्टाचार होने

संबंधित खबर अखबारो में प्रकाशित हुई थी। ऑडिट रिपोर्ट्स में भी नगर परिषद बिजुरी द्वारा एक बड़े भ्रटाचार को उजागर किया गया था। व्याप्त भ्रटाचार और आदिवासियों डेवलपमेंट के लिए दिए गए पैसें का अनैतिक दुरुपयोग के संबंध में संचालक शहरी प्रशासन और विकास निदेशालय भोपाल मप्र तथा सह संचालक शहरी प्रशासन और विकास निदेशालय शहडोल एवं आर्थिक अपराध शाखा भोपाल को जाँच करने पत्र लिखे गए। जिस पर जांच के आदेश हुए और भ्रष्टाचारी होने के संबंध में जांच प्रतिवेतन भी प्रस्तुत किए गए। इसके बावजूदकार्यवाही नहीं की गयी।

पाए गए 26 दोषी

याचिका की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट को बताया गया था कि जांच में कुल 26 व्यक्तियों को दोषी पाए गए हैं। जिसमें 18 विभागीय व्यक्तियों के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। याचिका की सुनवाई के दौरान युगलपीठ को बताया गया कि तत्कालीन सीएमओ मीना कोरी के खिलाफ दो वेतन वृद्धि रोकने तथा 19 लाख रुपए की रिकवरी की कार्यवाही की गई है। सब इंजीनियर वंदना अवस्थी के खिलाफ दो वेतन वृद्धि रोकने तथा 27 लाख 68 हजार रुपए की रिकवरी, कमल कोल के खिलाफ सुश्री कमला कौल के खिलाफ दो वेतन वृद्धि रोकने तथा 12 लाख 24 हजार रुपए की रिकवरी की कार्यवाही की गई है। इसके अलावा अन्य 8 के खिलाफ रिकवरी, सेवा से बर्खास्त करने तथा चेतावनी की कार्यवाही की गई है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता धीरज कुमार तिवारी ने पक्ष रखा।

4 दिन से लापता बालिका का शव मिला, परिजनों ने कहा- हत्या हुई, हत्या का मामला दर्ज कराने की मांग

घटनास्थल पर शव रखकर परिजनों ने जताया विरोध

दैनिक वीरदृष्टि/अमित तिवारी

शहडोल, जैतपुर दर्शिला चौकी अंतर्गत एक बालिका का शव संदिग्ध अवस्था में कुएं में मिला है। बताया जा रहा है कि बालिका पिछले 4 दिन से लापता थी। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए घटनास्थल पर शव रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया।

रात तक ग्रामीणों का प्रदर्शन चलता रहा। ग्रामीणों ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी की मांग पर अडे रहे। पुलिस के अनुसार, 14 वर्षीय बालिका 13 नवंबर से अचानक लापता हो गई थी। जिस पर परिजनों ने दर्शिला चौकी में गुमशुदगी भी दर्ज कराई थी। पुलिस बालिका की पतासाजी कर रही थी, इसी दौरान 16 नवंबर को बालिका का शव कुएं में मिला। बताया गया कि खेत के नजदीक मवेशी चरा रहे ग्रामीणो को कुएं से बदबू आने पर जाकर देखा तो शव उतरा रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। इधर परिजन व ग्रामीणों ने संदिग्ध अवस्था में बालिका का शव मिलने पर नाराजगी जताते हुए शव घटनास्थल पर रखकर विरोध जताया। पुलिस ने संदेहियो से पूछताछ कर सुराग भी जुताया है। पुलिस अधिकारियों कहना है की बालिका का पीएम कराया जाएगा। इसके बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

डॉ. आर के तिवारी के निधन पर शोक संवेदना

रीवा जिले के मशहूर डॉक्टर आर के तिवारी जो सदैव सामाजिक कार्यक्रमों में वर्षो से बढ़ चढ़ कर कई सामाजिक कार्य करने में मशहूर कई माह से गंभीर बीमारी से ग्रसित थें जिनका इलाज कोल् इंडिया की सेंटर अस्पताल एवं रीवा जिले के विभिन्न अस्पतालों में कई माह तक बेहतर चिकित्सा सुविधा का लाभ लेने का प्रयास किया गया लेकिन संजय गांधी मेडिकल कॉलेज में एक सप्ताह के उपचार के दौरान दिनांक 9-11-22 को मध्य रात्रि 11:20 मिनट पर डॉक्टर तिवारी ने अंतिम सांस ली एवम अपने साथ भरा पूरा परिवार रोटा बिलगता छोड़ कर स्वर्ग सिधारे उनके निधन पर भाई रामकृष्ण तिवारी (पायलट) उन के सुपुत्र जनता दल यू प्रदेश के अध्यक्ष बी पी तिवारी और विधायक लक्ष्मण तिवारी ,बृजेन्द्र तिवारी,ब्रिज बिहारी तिवारी, बृजलाल तिवारी, राकेश तिवारी, राजेश तिवारी ,उद्देश तिवारी एवं पुष्पराज तिवारी ,पप्पू तिवारी, मुनेश तिवारी, बेटू तिवारी ,विकाश तिवारी, सौरव तिवारी ,राजबहोर गर्ग ,विकी तिवारी ,अंकित तिवारी, गोरव तिवारी ,रजत तिवारी के साथ तिवारी परिवार के साथ सैकड़ों नागरिकों ने शोक संवेदना व्यक्त की वही खबर लगते ही बढ़ चढ़ जिले के सैकड़ों शुभचिंतकों में केसर सिंह चावड़ा और पूर्व विधायक छोटेलाल सरावगी विधान सभा अध्यछ श्रीमान गिरीश गौतम पूर्व मंत्री विधायक राजेन्द्र शुक्ल विधयक के पी त्रिपाठी उद्योगपति मोतीलाल गोयल नारायण दिग्वानी भाजपा राष्ट्रीय कार्यकरणी सदश्य राजीव अवस्थी रामराखंन त्रिपाठी भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छाबरा नगरपालिका अध्यछ रविंदर कौर छाबरा धनपुरी उपाध्यक्ष हनुमान खंडेलवाल बुढ़ार नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती सलिनी सरावगी आई सी आई आई सी आई डायरेक्ट बैंक के प्रमुख शुख नंदन यादव सहयोगी वार्ड दो पारसाद धनपुरी विजय यादव द्वछ्ठ प्रबंधक मुकेश यादव सेल्स मार्केटिंग प्रबंधक राजेंद्र विश्वकर्मा के साथ आनंद शर्मा , आर पी मिश्रा, कमलेश श्रीवास्तव , सुशील दुबे ,देवेंद्र शर्मा,कुलदीप शर्मा ,सुमित शर्मा एवं कोयलांचल छेत्र के सभी के हितैषी संभागीय पत्रकार सनत शर्मा, राजीव अग्रवाल कैलाश लालवानी,संतोष शर्मा, मोहन नामदेव ,आशीष नामदेव ,सुभाष शर्मा, गंगा धर चौधरी एवं कोयलांचल छेत्र के इलेक्ट्रॉनिक एवम प्रिंट मीडिया के सभी पत्रकार बंधुओ एवम ह्यद्गष्ठ के वरिष्ठ अधिकारी गंड एवम मध्यप्रदेश शासन के साथ कई वरिष्ठ नेताओं में शु श्री उमा श्री भारती प्रह्लाद पटेल रघुनंदन शर्मा जी के सी त्यागी जी व बिहार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी ने शोक संवेदना व्यक्त की।

मध्यप्रदेश में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में धमाके की तैयारी

सत्ता पक्ष और विपक्ष की राजनीतिक हलचलें बढ़ी

भोपाल। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा मध्यप्रदेश में 23 नवंबर को प्रवेश होगा। भारत जोड़ो यात्रा को लेकर राजनीतिक एवं प्रशासनिक हलकों में सुगबुगाहट तेज हो गई है। अगले वर्ष मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव हैं। भारत जोड़ो यात्रा का असर अगले विधानसभा चुनाव में होना तय माना जा रहा है। इसके लिए सत्तापक्ष और विपक्ष अपने अपने तरीके से भारत जोड़ो यात्रा को लेकर रणनीति बना रहे हैं। सत्ता पक्ष कोई बड़ा धमाका करने की तैयारी कर रहा है। कांग्रेस के एक दर्जन विधायकों से सत्तापक्ष का संपर्क बना हुआ है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा जब मध्यप्रदेश में होगी। तब उसको प्रचार-प्रसार ना मिले। इसके लिए सत्ता पक्ष द्वारा ऐसा कोई धमाका किया जाएगा। जिससे राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा, मध्य प्रदेश में फ्लॉप हो। भारत जोड़ो और कांग्रेस तोड़ो

की रणनीति विपक्ष और सत्तापक्ष के बीच में बन रही है। सूत्रों के अनुसार सत्ता पक्ष लगभग एक दर्जन विधायकों को इसी दौरान भाजपा में लाकर,भारत जोड़ो यात्रा के उद्देश्य पर तीखा हमला करने की तैयारी कर रही है। कांग्रेस टूटने से बच जाए तब भारत जोड़ने की बात करें। भाजपा ने इसके लिए अपने युवा और आदिवासी नेताओं को विशेष रुप से जिन्होंने कांग्रेस छोड़कर भाजपा ज्वाइन की थी। उन्हें इस काम में लगाया है। भारत जोड़ो यात्रा की तैयारियों में लगे कांग्रेस नेताओं के ऊपर अपने विधायकों को बचाने का मनोवैज्ञानिक दबाव बना दिया है। कांग्रेस नेताओं को भय है, कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान ऑपरेशन लोटस के तहत कांग्रेस के विधायकों को भाजपा में शामिल कर कांग्रेस को चुनौती देने का काम भाजपा कर सकती है। भारतीय जनता पार्टी में शामिल कांग्रेस के बागी विधायक जो भाजपा में चले गए हैं। उन सबकोभाजपा ने सक्रिय किया है। 2023 में होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने अपनी पूरी रणनीति तैयार कर ली है। भारत जोड़ो यात्रा जब मध्यप्रदेश में होगी तब कोई बड़ा धमाका भाजपा कर सकती है। प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथऔर कांग्रेस के शीर्ष नेताओं को इस तरह की आशंका है। वह कांग्रेस विधायकों के लगातार संपर्क में हैं। भाजपा के भी कुछ विधायक कांग्रेस के संपर्क में बने हुए हैं। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान,भाजपा के कुछ विधायक जिन्हें भाजपा से टिकट मिलने की उम्मीद नहीं है। वह कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं। शह और मात का खेल दोनों ओर से खेला जा रहा है। इसको लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही है।

बड़ी झील मे तैराकी कर रहे स्वीमर की मौत

भोपाल। शहर की बड़ी झील मे तैराकी कर रहे स्वीमर की डूबने से मौत हो जाने की घटना सामने आई है। मृतक काफी अच्छा तैराक था, पुलिस को आशंका है की जलकुंभी मे उसका पैर फंसने से मौत हुई होगी। तलैया पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पंचशील नगर, टीटी नगर में रहने वाला 26 वर्षीय अलताफ पिता असलम खान प्राइवेट काम करता था और काफी अच्छी तैराकी करता था।

तैराकी के लिये वो अधिकतर बड़ी झील जाया करता था। बीती शाम करीब पांच बजे वो वीआईपी रोड स्थित राजा भोज प्रतिमा से कुछ दूरी पर तालाब ते तैराकी कर रहा था, तैरने के दौरान अचानक वो पानी में डूब गया। उसपर नजर पड़ते ही गोताखोरों ने पानी में छलांग लगाकर उसे काफी कोशिश कर तालाब से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, वहां डॉक्टर ने उसे शुरुआती चेकअप के बाद ही मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस को मृतक के कपड़े तालाब के बाहर रखे मिले। कपड़ो मे मिले मोबाइल के आधार पर परिवार वालो से संपर्क कर उन्हे हादसे की जानकारी दी गई। गोताखोरों ने पुलिस को बताया कि उन्होने अलताफ को तैरते हुए देखा था, ओर उसकी अच्छी तैराकी देखकर उन्होने उसपर ध्यान नही दिया। लेकिन कुछ देर बाद वो नजर नहीं आया तो अनहोनी की आशंका के चलते उन्होने पानी में छलांग लगाक उसकी खोजबीनक की इस दौरान उन्हे अलताफ का शव मिला। शुरुआती जॉच के आधार पर पुलिस का अनुमान है की जलकुभी में पैर फंसने से तैराक की मौत हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद मे परिवार वालो को सौंप दिया। मर्ग कायम कर पुलिस आगे की जांच कर रही है।

(भोपाल) महापौर मालती राय ने मुरलीधर जी महाराज का आशीर्वाद भी प्राप्त किया।

संक्षिप्त समाचार

बीमाधारी का होम लोन मृत्यु के बाद समाप्तः उपभोक्ता फोरम

भोपाल। होम लोन के साथ लाइफ इंश्योरेंस का क्लेम खारिज करना बीमा कंपनी को महंगा पड़ा। उपभोक्ता फोरम ने मामले की सुनवाई करते हुए होम लोन के साथ ली गई पाल्सी के पूरे क्लेम 30 ध्रड्डद्मद्ध रुपए और 9 फ़ीसदी ब्याज के साथ देने के आदेश दिए। फोरम ने 10000 रुपये हर्जाना और 3000 रुपये परिवाद व्यय देने के आदेश दिए है। फोरम ने बीमा कंपनी को मृतक की पत्नी को नो ड्यूज सर्टिफिकेट जारी करने के निर्देश दिए हैं। याचिकाकर्ता सुनीता मालवीय ने जिला उपभोक्ता आयोग में शिकायत की थी। इसमें हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कारपोरेशन तथा एचडीएफसी के स्टैंडर्ड लाइफ इंश्योरेंस कंपनी के खिलाफ परिवाद दायर किया था। उसके पति संतोष कुमार मालवीय ने हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कारपोरेशन से 29 लाख 52000 का लोन लिया था। इस लोन के साथ ही एचडीएफसी स्टैंडर्ड लाइफ इंश्योरेंस से जीवन बीमा पॉलिसी भी ली थी। पति की मौत के बाद जब महिला ने क्लेम किया,तो कंपनी ने हाइपरटेंशन और शुगर की बीमारी को आधार बनाकर क्लेम खारिज कर दिया। जबकि मृतक संतोष की मौत महामारी कोविड-19 से हुई थी। फोरम ने 2 माह के अंदर मामले को निपटाने के आदेश दिए हैं।

युवती को किडनैप किया फिर शादी का झांसा देकर साथ रख बनाया हवस का शिकार

भोपाल। शहर के नजदीक बैरसिया थाना इलाके मे स्थित गॉव मे रहने वाले युवती का अपहरण कर शादी का झांसा देते हुए अपने साथ रख एक महीने तक उसका शारीरिक शोषण किये जाने का मामला सामने आया है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार इलाके मे स्थित डुंगरिया गांव में रहने वाली 24 वर्षीय युवती ने अपनी शिकायत मे बताया की गांव में ही रहने वाले राकेश ठाकुर से उसकी जान पहचान थी। आरोपी ने उससे नजदीकिया बढ़ाते हुए पहले अपने प्रैम जाल मे फसा लिया। इसके बाद राकेश ने उससे साथ शादी का करने का झांसा दिया। युवती ने जब हामी भर दी तो बीती 16 अक्टूबर को राकेश युवती को अगवा कर अपने साथ भोपाल लेकअ आ गया ओर अशोका गार्डन इलाके में रहने लगा। साथ रहने के दौरान आरोपी ने जल्द शादी करने को झांसा देते हुए युवती का शारीरिक शोषण किया। इसके बाद अशोका गार्डन का मकान छोड़कर दोनों दूसरे मकान में रहने लगे। आरोप है की करीब एक महीने तक राकेश उसके साथ ज्यादती करता रहा। इधर युवती के लापता हो जाने पर काफी खोजबीन के बाद उसके परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने युवती को दस्तयाब कर उसके ब्यान दर्ज किये तो उसने बताया की राकेश ने शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया, ओर बाद मे छोटी जाति का बताकर शादी करने से इंकार कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

लोक सेवा केंद्र में भी हो रही हैं भारी गड़बड़ी, लोक सेवा केंद्र में रिश्वतखोरी

भोपाल। लोक सेवा केंद्रों के माध्यम से बड़ी गड़बड़ी की शिकायतें आने लगी है। हाल ही में लोक सेवा केंद्र के 1 संचालक ने पैसे लेकर सैकड़ों छात्रों की फीस माध्यमिक शिक्षा मंडल में जमा नहीं की। जिसके कारण सैकड़ों छात्रों का भविष्य अंधकार में होने जा रहा है। कुछ इसी तरह का मामला अभी भोपाल में सामने आया है। जिसमें गुरु नानक जयंती की छुट्टी होने के बावजूद लोक सेवा केंद्र भोपाल से बड़वानी जिले के आवेदन अपलोड किए गए हैं। नियम है, कि जिस जिले का लोक सेवा केंद्र है। उसी जिले में संचालित किया जा सकेगा। उसी जिले के आवेदकों का काम करने के लिए नियमानुसार अधिकृत किया गया है। लोक सेवा केंद्रों में अब अन्य जिलों के लोग आकर भी अपना काम करा रहे हैं। वहीं आम आदमी के साथ रिश्वत और ठगी भी अब लोक सेवा केंद्रों में शुरू हो गई है। शिकायत की जांच करने के लिए भोपाल के एडिशनल कलेक्टर संदीप केरकेट्टा ने संबंधित केंद्र संचालक को नोटिस दिया है। शिकायत के आरोपों की जांच शुरू कर दी गई है।

23 को मध्यप्रदेश में प्रवेश करेगी भारत जोड़ो यात्रा, 13 दिन मप्र में रहेंगे राहुल

भोपाल। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के कार्यक्रम में तीसरी बार बदलाव हुआ है। अब 23 नवंबर को यात्रा मध्य प्रदेश में प्रवेश करेगी। राहुल गांधी महाराष्ट्र की यात्रा समाप्त करके सीधे गुजरात चुनाव प्रचार के लिए चले जाएंगे। मालेगाव की बैठक में मध्य प्रदेश की भारत जोड़ो यात्रा का डिटेल कार्यक्रम तैयार किया गया। इस बैठक में राहुल गांधी के साथ मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष कमलनाथ, नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी,कांतिलाल भूरिया सहित सभी प्रमुख नेता मौजूद थे। मध्यप्रदेश में यात्रा के प्रवेश करते ही कांग्रेस के सभी विधायक राहुल गांधी का स्वागत करेंगे। यह यात्रा 13 दिन मध्यप्रदेश में रहेगी। 23 नवंबर को महाराष्ट्र से बुरहानपुर पहुंचेगी। 24 नवंबर को खंडवा, 25 नवंबर को खरगोन, 26 नवंबर को सनावद, 27 नवंबर को महू, 28 नवंबर को इंदौर, 29 नवंबर को साप्ताहिक विश्राम, 30 नवंबर को सांवेर, 1 दिसंबर को उज्जैन के निनोरा, 2 दिसंबर को नजरपुर, 3 दिसंबर को आगरा छावनी, 4 दिसंबर को सुसनेर और 5 दिसंबर को आगर पहुंचेगी। आगर से राजस्थान की सीमा में भारत जोड़ो यात्रा प्रवेश करेगी।

नर्सिंग की पढ़ाई कर रहे छात्रों का भविष्य अधर में परीक्षा का इंतजार कर रहे छात्रों में निराशा और नाराजगी

भोपाल। प्रदेश के नर्सिंग की पढ़ाई कर रहे हजारों क्षत्रों का भविष्य अधर में फंस गया है। इसकी वजह यह है कि नर्सिंग कॉलेजों में होने वाले बीएससी फर्स्ट ईयर की वार्षिक परीक्षा को अचानक निरस्त कर दिया गया है। सितंबर 2022 में जारी किया गया परीक्षा कार्यक्रम जबलपुर मेडिकल यूनिवर्सिटी ने यह कहते हुए निरस्त कर दिया कि विद्यार्थियों की नामांकन प्रक्रिया अब तक पूरी नहीं हो पाई है।

ऐसे में दो साल से परीक्षा का इंतजार कर रहे छात्रों में निराशा और नाराजगी बढ़ती जा रही है। कारण यह है कि जिन छात्रों को ध्यान में रखकर एग्जाम की तारीख घोषित की गई थी, उन्होंने वर्ष 2020-21 में प्रवेश लिया था। इनकी परीक्षा वार्षिक पैटर्न पर आयोजित की नहीं जानी थी, यानी इस साल

सेकंड ईयर की परीक्षा होनी थी, लेकिन फिलहाल तो फर्स्ट ईयर पर ही संकट आ गया है। पड़ताल में पता चला कि परीक्षा निरस्त करने की दो मुख्य वजह हैं। पहली यह कि प्रदेश में संचालित नर्सिंग कॉलेजों में से करीब 100 कॉलेजों की अब तक वर्ष 2020-21 की मान्यता नहीं हुई है। दूसरी वजह नामांकन की है। इसके लिए दो कंपनियों को बदलने के बाद अब एमपी ऑनलाइन की जिम्मेदारी दी गई है। मामले में विवि के डिप्टी रजिस्ट्रार का कहना है कि दिसंबर तक नया कार्यक्रम घोषित कर देंगे।

16 नवंबर से परीक्षा फार्म भरने के आदेश दिए गए थे

पूर्व कुलपति और आईएएस अफसर बी चंद्रशेखर के बाद नए कुलपति के रूप में अशोक खंडेलवाल ने जिम्मा संभाला था। इसके बाद से अब तक कार्यपरिषद की दो बैठकें हो चुकी हैं। इनमें सितंबर माह की बैठक में मान्यता वाले मामले को शामिल नहीं किया, जबकि अक्टूबर की कार्यपरिषद की बैठक में मिनिट्स पब्लिक डोमेन में यानी वेबसाइट पर शेयर नहीं किए गए। परीक्षा कार्यक्रम निरस्त करने की एक वजह यह भी है कि 15 नवंबर को नामांकन और 16 नवंबर से परीक्षा फार्म भरने के आदेश दिए गए थे। एमपी मेडिकल यूनिवर्सिटी के डिप्टी रजिस्ट्रार पुष्पराज सिंह बघेल का कहना है कि यह बात सही है कि मान्यता का मामला अटका है, लेकिन परीक्षा निरस्त करने की मुख्य वजह नामांकन नहीं होना है। दिसंबर तक यह दोनों काम करवा लेंगे। दिसंबर के अंतिम सप्ताह तक परीक्षा कार्यक्रम घोषित कर दिया जाएगा।

रिटायर्ड सरकारी कर्मचारी को फ्लैट, कार दिलाने के नाम पर लगा दी लाखों रुपए की चपत

भोपाल। कोलार थाना पुलिस ने ग्वालियर के रहने वाले रिटायर्ड शासकीय कर्मचारी की शिकायत पर दो जालसाजो के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला कायम किया है। ठगो ने फरियादी को फ्लैट ओर कार दिलाने के नाम चपत लगाई है।

फरियादी ने यह शिकायत ग्वालियर मे की थी, वहॉं स्थानीय पुलिस ने जीरो पर कायमी कर आगे की जॉच के लिये केस डायरी भोपाल पुलिस को भेजी है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्वालियर के रहने वाले 64 वर्षीय आशीष तिवारी रिटायर्ड शासकीय कर्मचारी हैं। फिलहाल वो प्रायवेट काम कर रहे हैं। भोपाल के कोलार इलाके मे रहने वाले आरोपी पवन कुमार शर्मा एवं नकुल जैन खुद को कार और ऑटो डीलर बताते हैं। फरियादी ने फ्लैट पंसद आने पर खरीदने की इच्छा जताई।

साल 2020 से 2021 के बीच बातचीत मे सौदा तय हो गया ओर एग्रीमेंट कर एक साल में 13 की रकम अदा करने के बाद रजिस्ट्री कराने की शर्त एग्रीमेंट में लिखी गई। बाद मे 23 मार्च 2021 को आरोपियों ने फ्लैट की रजिस्ट्री कराने के नाम पर फरियादी को भोपाल बुलाया ओर उससे सारी रकम ले ली।

कमलनाथ के खिलाफ भाजपा हमलावर नरोत्तम बोले- यह गौरी-गजनवी जैसा कृत्य

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष कमल नाथ द्वारा अपने गृहनगर छिंदवाड़ा के शिकारपुर में मंदिर की आकृति वाला केक काटने को लेकर सियासत गर्म है। भाजपा इस मुद्दे पर कमल नाथ के खिलाफ लगातार हमलावर है। सीएम शिवराज के बाद इसी सिलसिले में अब गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने भी कमल नाथ पर करारा हमला बोला है। दतिया में एक कार्यक्रम में पहुंचे नरोत्तम ने इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कमल नाथ को चुनावी हिंदू बताया और कहा कि सनातनी होने का दावा करने वाले कमलनाथ जी ने भगवान हनुमान जी की फोटो लगे मंदिर की प्रतिकृति वाले बर्थडे केक को काटकर हिंदू धर्म की आस्था पर कुठाराघात किया है। कमल

नाथ जी का यह कृत्य मंदिरों को ध्वस्त करने वाले मोहम्मद गौरी और महमूद गजनवी की याद दिलाता है। उन्होंने कमल नाथ को मानसिकता बदलने की सलाह देते हुए कहा कि आस्थाओं पर कुठाराघात न करें। चुनावी हिंदु न बनें। उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा के बहाने राहुल गांधी को भी निशाने पर लिया और कहा कि वह अपनी (भारत जोड़ो) यात्रा के दौरान अब तक कहीं मंदिर नहीं गए, लेकिन मप्र में आने पर एक नया विवाद खड़ा किया जा रहा है। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ने भी कमल नाथ पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस की लीडरशिप हमेशा से हिंदू विरोधी मानसिकता की रही है। कमल नाथ जी जवाब दें कि आखरि ऐसा क्यों किया गया है। एक तरफ़ हनुमानजी की पूजा करते हैं, दूसरी तरफ़ फ़ोटो लगाकर केक काटते हैं। वो दिखावे के लिए हनुमान भक्त हैं और धर्म उनके लिए केवल चुनावी स्टंट है। एक धर्म को टारगेट करना, इसके लिए लोग कांग्रेस को कभी माफ़ नहीं करेंगे।

मप्र की सांची बनेगी सोलर सिटी

भोपाल। सोलर सिटी के लिए देश भर से चयनित हुए 50 शहरों को सात साल पहले ही लिए मंजूरी दी जा चुकी है लेकिन अब तक सिर्फ 6 शहरों में ही इसके लिए गंभीरता दिखाई है। इन शहरों को सोलर सिटी के रूप में विकसित करने के लिए सम्बिन्धति राज्य सरकारों ने इनकी डीपीआरझ्र प्रस्ताव केन्द्र सरकार को भेजा है। इनमें मध्य प्रदेश का प्रसिद्ध शहर सांची भी शामिल है। सांची के अलावा असम की माजुली, बिहार की बोध गया, राजगीर तथा वैशाली, झारखंड की गिरडीह, केरल की तिरुअनंतपुरम तथा जम्मू कश्मीर के जम्मू शहर का प्रस्ताव भी भेजा गया है। शेष शहरों में यह योजना अब भी फाइलों से बाहर नही आ सकी है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री ने अपने पिछले कार्यकाल में सभी राज्यों की एक सिटी को सोलर सिटी के रूप में विकसित करने की मंशा जाहिर की थी। इसके तहत नवीन एंव नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने सभी राज्यों से सोलर सिटी के लिए प्रस्ताव मांगा था। सोलर ग्रीन सिटी के तहत शहर के सभी सरकारी दफ्तर के उपयोग को सौर ऊर्जा में शिफ्ट की जाएगी।

वन विभाग के अफसर की मनमानी

सीमेंट पोल की जगह लकड़ी और बांस के खंभे का उपयोग करने का निर्देश

भोपाल। वन महकमें में जंगल राज का आलम यह है कि यहां सरकार के दिशा-निर्देशों का पालन तक नहीं किया जाता है। इसका ताजा मामला यह सामने आया है की वन विभाग में चैनलिंक फेसिंग के लिए सीमेंट के पोल की जगह लकड़ी और बांस के खंभे का उपयोग करने का निर्देश दिया गया है। इसका प्रदेशभर में विरोध शुरू हो गया है। गौरतलब है कि मैदानी हकीकत का आकलन किए बिना वातानुकूलित कमरे में लिए गए निर्णय का अमलीजामा पहनाना मुश्किल होता है। जंगल महकमे में ऐसा ही कुछ देखने को मिल रहा है। विभाग के मुखिया आरके गुप्ता ने कुछ सीनियर अफसरों की

सलाह पर निर्णय लिया कि वित्तीय वर्ष 22-23 में वन क्षेत्रों में चैनलिंक फेसिंग के लिए सीमेंट के पोल की जगह लकड़ी और बांस के खंबे का उपयोग करें। उनके इस फरमान का मखोल बन रहा है। जानकारी के अनुसार 70 से 80 प्रतिशत वन क्षेत्रों में चालू वित्तीय वर्ष में पूर्व में चली आ रही परंपरा के अनुसार मैदानी अफसर सीमेंट पोल का उपयोग ही कर रहे हैं। अभी तक वन बल प्रमुख के फरमान का विरोध डीएफओ और सीएफ दबे स्वर से करते आ रहे थे। अब सर्किल में पदस्थ पदेन वन संरक्षक एवं अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने प्रधान मुख्य वन संरक्षक कार्यालय को खुला पत्र लिखा है कि बांस अथवा लकड़ी खंबे लगाने से वनों की सुरक्षा लंबे समय तक नहीं हो पाएगी और बाद में सीमेंट के पोल ही लगाने पड़ते हैं। एपीसीसीएफ ने अपने पत्र में साफ तौर पर लिखा है कि वन मंडलों अंतर्गत वन-राजस्व भूमि सीमांकन क्षेत्रों में हार्ड मुरम होने के कारण एवं आसपास घास होने के कारण बांस अथवा लकड़ी के खंभों में आग लगने की संभावना अधिक होती है। वन परिक्षेत्र में नीलगाय जंगली सूअर एवं अन्य जानवरों की अधिकता होने से और उनके द्वारा सीमेंट के खंभे भी क्षतिग्रस्त कर दिए जाते हैं। ऐसी स्थिति में बांस अथवा लकड़ी खंभे लगाने से क्षेत्र की सुरक्षा लंबे समय तक नहीं हो पाएगी और बाद में सीमेंट के पोल ही लगाने पड़ेंगे।

सर्किल के पदेन वन संरक्षक में यह भी लिखा है कि बांस अथवा लकड़ी हरदा, बालाघाट, डिंडोरी और मंडला आदि वन मंडलों से मंगाने पडते हैं, जिनकी अत्यधिक दूरी होने के कारण स्थानांतरण करने में भी काफी मुश्किलें आती हैं। पत्र के आखिर में उन्होंने वन बल प्रमुख से अनुरोध किया है कि चैनलिंक फेंसिंग सीमेंट पोल आदि जीइएम के माध्यम से लगाए जाने की स्वीकृति प्रदान करें।

वन बल प्रमुख के फरमान पर क्रियान्वयन नहीं

वन मंत्री विजय शाह के खंडवा सर्किल के वन मंडलों में ही वन बल प्रमुख गुप्ता के फरमान पर क्रियान्वयन नहीं हो रहा है. इसकी वजह भी स्पष्ट है कि सर्किल के अधिकांश वन मंडल अतिक्रमण के मामले में अति संवेदनशील है। यहां बांस-बल्ली के खंभों का उपयोग नहीं किया जा सकता. भोपाल, रीवा, बालाघाट, होशंगाबाद, उज्जैन, सिवनी सर्किल के अंतर्गत आने वाले वन मंडलों में भी मैदानी अफसर वन क्षेत्रों की चैनलिंक फेंसिंग में सीमेंट पोल का उपयोग कर रहे है। सर्किल में पदस्थ एपीसीसीएफ के पत्र ने बांस मिशन के सीईओ यूके सुबुद्धि के दावे की पोल भी खोल दी है। वन बल प्रमुख गुप्ता के फरमान के बाद सुबुद्धि ने दावा किया था कि तीन- साढ़े तीन लाख बांस की बल्ली प्रदाय करने की तैयारी कर ली है। पत्र में साफ तौर पर लिखा है कि लकड़ी और बांस की बल्लियां मंगाने में काफी दिक्कतें आ रही हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि नोएडा की एक कंपनी ने दावा किया था कि एक साल में बांस का उत्पादन तीन लाख से अधिक नहीं होता है, यानी बांस मिशन के सीइओ ग्राउंड रियलिटी से बेखबर है। वैसे भी मध्यप्रदेश में बालाघाट, मंडला, बैतूल, सिवनी और शहडोल में बांस का उत्पादन लगातार गिर रहा है।

दैनिक वीर दृष्टि

आहार का असर

आदमी बीमार हो गया। रक्त चढ़ाने की जरूरत हुई। डॉक्टर रक्त चढ़ाता है, तो पहले वह ग्रुप मिलाता है। किस ग्रुप का रक्त है? ठीक मिलेगा या नहीं? सेठ को रक्त चढ़ाना था- एक कंजूस आदमी का रक्त ठीक मिला, चढ़ाया गया। सेठ को पता चला कि उसको कंजूस का रक्त चढ़ाया जा रहा है। सेठ बड़ा उदार था। अपने मुनीम को कहा, उसको तीन हजार रूपए दे दो। भाग्य की बात, दूसरी बार फिर खून चढ़ाने की जरूरत हुई। उसी कंजूस का रक्त। सेठ ने कहा, उसे सौ रूपए दे दो। तीसरी बार जरूरत हुई तो सेठ ने एक कागज लिया और उस पर लिखा साधुवाद, धन्यवाद! ऐसा क्यों हुआ? सेठ तो उदार था, किन्तु जिसका रक्त चढ़ाया जा रहा था, वह कंजूस था। उसका इतना प्रभाव हुआ कि जब तक रक्त का पूरा प्रभाव नहीं हुआ तो तीन हजार रूपए दिए, थोड़ा प्रभाव हुआ तो सौ रूपए और पूरा प्रभाव हुआ तो धन्यवाद दिया। कहने का अर्थ यह कि चाहे रक्त हो, चाहे कोई दूसरी वस्तु हो, हमारे शरीर में बाहर के जो परमाणु प्रवेश पाते हैं, वे परमाणु जिस प्रकार के होते हैं, अपना प्रभाव डाले बिना नहीं रहते। इसलिए यह विषय हमारे लिए इतना महत्व का है कि बाहर से क्या आ रहा है, हम पूरा विवेक करें, पूरी छानबीन करें, तब ही किसी बात को स्वीकार करें। हम इस बात को अस्वीकार नहीं करेंगे कि भोजन के परमाणुओं में अनेक तत्व विद्यमान होते हैं, अनेक संस्कार मिले होते हैं। उन संस्कारों का असर हमारे जीवन के दैनिक क्रियाकलापों पर पड़ता है। इससे हम अछूते नहीं रह सकते।

सुविचार

मासिक वेतन पूरनमासी का चाँद है जो एक दिन दिखाई देता है और घटते घटते लुप्त हो जाता है।

- प्रेमचंद

संपादकीय

रूस और यूक्रेन की जंग

इंडोनेशिया के बाली द्वीप में समूह बीस (जी 20) देशों की सालाना शिखर बैठक इस संकल्प के साथ खत्म हुई कि किसी भी सूरत में रूस-यूक्रेन रुकवाना ही होगा। बैठक के बाद सभी देशों की सहमति से जो साझा बयान जारी हुआ, उसमें इस प्रतिबद्धता पर जोर यही रेखांकित करता है कि दुनिया अब और युद्ध नहीं चाहती। महत्त्वपूर्ण बात तो यह है कि आने वाले वक्त में इस महाप्रयास में भारत को अपनी बड़ी भूमिका निभानी है। इसलिए भी कि अब समूह बीस की अध्यक्षता भारत को करनी है और अगली शिखर बैठक दिल्ली में होगी। रूस यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में देखें तो समूह बीस एक महत्त्वपूर्ण संगठन इसलिए भी है कि इसमें वे विकसित और विकासशील देश शामिल हैं जो रूस-यूक्रेन युद्ध के मुद्दे पर बंटे हुए हैं। ऐसे में यह समूह युद्ध रुकवाने की मुहिम में कितना सफल हो पाता है, यह वक्त ही बताएगा। यूक्रेन पर हमला करने वाला रूस भी इस समूह का सदस्य है। बाली की बैठक में जिस तरह से युद्ध का मुद्दा छाया रहा और रूस के रवैए की आलोचना हुई, उससे रूस की नाराजगी स्वाभाविक है। ऐसे में युद्ध रुकवाने के लिए कौन कितने और कैसे प्रयास करेगा, यह बड़ा सवाल है। रूस-यूक्रेन युद्ध के मुद्दे पर भारत का रुख शुरू से ही स्पष्ट है। भारत कहता ही रहा है कि युद्ध तत्काल रुकना चाहिए और कूटनीतिक तरीकों से समस्या का हल खोजा जाना चाहिए। गौरतलब है कि इस साल सितंबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के साथ बातचीत में साफ कहा था कि आज का युग युद्ध का नहीं होना चाहिए। उनके इस संदेश गूंज बाली शिखर बैठक में भी सुनाई देने का मतलब साफ है कि अब कोई भी जंग नहीं चाहता। दुनिया के परिणाम कितने भयावह होते हैं, यह सब देख ही रहे हैं। लगभग सभी देश किसी न किसी रूप में युद्ध की मार झेल रहे हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था की चूलें हिली पड़ी हैं। महंगाई से हर देश परेशान है। अर्थव्यवस्था में मंदी और महंगाई के साथ ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ रहा है, सो अलग। इसके अलावा इस युद्ध ने वैश्विक खाद्य संकट भी खड़ा कर दिया है। इसलिए अब उन देशों को युद्ध का कूटनीतिक समाधान निकालने पर ज्यादा तेजी से काम करना होगा जो इस मुद्दे पर खेमेबाजी में फंसे हैं और युद्ध के कारण पैदा हालात की मार झेलने को मजबूर हैं।

राशिफल

मेष स्वास्थ्य में सुधार होगा। पारिवारिक समस्या का समाधान होगा। रचनात्मक कायरें में प्रगति होगी। महिला अधिकारी का सहयोग मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा।

वृष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। किसी कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा।

कर्क पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी। जीविका के क्षेत्र में चल रहा प्रयास फलीभूत होगा। नए संबंध बनेंगे।

सिंह संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रचनात्मक कार्य फलीभूत होगा।

कन्या भावुकता में नियंत्रण रखें। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग रहेगा। रचनात्मक कार्यो में सफलता मिलेगी।

तुला स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। कोई ऐसी बात हो सकती है जो आपके हित में न हो। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। पारिवारिक सहयोग मिलता रहेगा।

वृश्चिक उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। रचनात्मक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद होगी। आपसी संबंध मधुर होंगे।

धनु महिला अधिकारी या घर के मुखिया का सहयोग मिलेगा, लेकिन संतान के कारण चिंतित रहेंगे। रचनात्मक कार्यो में आशातीत सफलता मिलेगी।

मकर पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। नए संबंध बनेंगे।

कुंभ शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। आर्थिक तनाव रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। किसी कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मीन दांपत्य जीवन सुखमय होगा। पिता या घर के मुखिया का सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक मामलों में प्रगति होगी। बुद्धि कौशल से किए गए कार्य में सफलता मिलेगी।

मोटिवेशनल स्पीकर्स और गुरुओं का जंजाल

यूट्यूब है, और यूट्यूब पर कितनी ही कोशिश करें, कितने ही वक्ता, प्रवक्ता, कथावाचक, मोटिवेशनल स्पीकर्स सामने पड़ ही जाते हैं। कई सारे लोग हैं जो जीवन में काबिल कैसे बनें, सफल कैसे बनें इन सब विषयों पर बहुत बाते करते हैं। उनको सुनकर लगता है कि, हाँ, मन का एक कोण है जो इनको सुनने में भी रस पा रहा है, उसको अभी भी यह विश्वास है कि इनको सुनूँगा तो शायद सफल, सार्थक, काबिल हो ही जाऊँ। पर उनमें राम नहीं दिखते, अध्यात्म की झलक बिलकुल नहीं दिखती। क्या मन का वो जो कोण है जो सफलता और काबिलियत के पीछे भाग रहा है उसको किनारे कर देना चाहिए, और राम में ही डूब जाना चाहिए? इस विषय पर स्पष्टता नजर नही आती है।

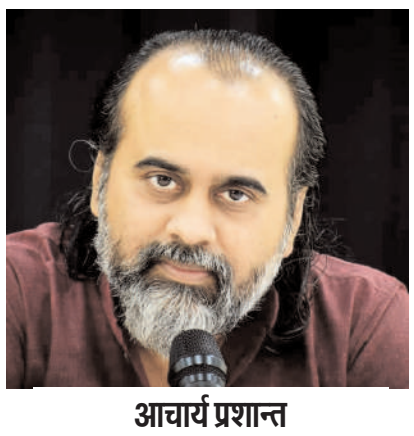

आचार्य प्रशान्त
लेखक, वेदांत मर्मज्ञ, पूर्व सिविल सेवा अधिकारी
संस्थापक, प्रशान्त अद्वैत फाउंडेशन

दुनिया में हर तरह के व्यंजन मौजूद हैं। कोई भी खाद्य सामग्री अपने-आपमें सही या गलत तो होती नहीं न। वो तो निर्भर इस पर करता है कि खाने वाला कौन है।

पहले मन कागा था, करता आतम घात।
अब मनवा हंसा भया, मोती चुन-चुन खात।।

-गुरु कबीर

तो विष्ठा भी है और मोती भी है। न टट्टी में अपने-आप में कोई बुराई है, न मोती में अपने-आप में कोई अच्छाई है। निर्भर इस पर करता है कि तुम कौन हो। तुम कौवे हो तो मोती का करोगे क्या? और हंस हो गए अगर तुम, तो विष्ठा की तरफ तुम्हारी दृष्टि जाएगी ही नहीं।

बहुत लोग हैं जो उनको सुन रहे हैं। कुछ उनको मज़ा आता होगा, कुछ लाभ दिखता होगा तभी सुन रहे हैं न? दूसरी कक्षा की भी पाठ्य पुस्तिका होती है, छठी की भी होती है, दसवीं के बोर्ड की भी होती है, फिर स्नातक-स्नातकोत्तर, तमाम तरह की किताबें होती हैं। अब वो तो निर्भर करता है कि तुम आर्तरिक रूप से कितने परिपक्व हुए हो। आर्तरिक रूप से अगर अभी तुम दूसरी ही कक्षा के छात्र हो, तो तुमको दूसरी कक्षा लायक सामग्री ही पढ़नी चाहिए। और ज़्यादातर लोग शरीर से बढ़ जाते हैं भीतर से बढ़ते नहीं, इसी से फिर समझ लो कि ज़्यादातर लोग किस तरह की सामग्री का भोग करते हैं।

अगर बाज़ार में दूसरी कक्षा की भी किताब उपलब्ध है और पी.एच.डी. की भी, और जानते हो तुम कि समाज में ज़्यादातर लोग भीतर से दूसरी-चौथी की अवस्था से आगे बढ़ ही नहीं पाते, तो तुम खुद ही समझ जाओगे कि ज़्यादा बिक्री किन किताबों की हो रही होगी। वो जो दूसरी किताबें हैं वही बिक रही होंगी क्योंकि उन्हीं से लाभ हो रहा है। बहुत दुर्भाग्य की बात है कि उन्हीं से लाभ हो रहा है, बड़े खेद का विषय कि लोगों को उथली बातें सुननी पड़ती हैं, दूसरी ओर उथली बातें अनिवार्यता भी तो हैं। तुम अभी बिलकुल नन्हे से ही हो, अंदर से, और तुम्हारे सामने अभी कोई वेदांत का ज्ञान खोल करके रख दे, तो तुम्हारे पल्ले क्या पड़ेगा? तो फिर तुम्हारे लिए यही सब ठीक है कि %सफल कैसे बनें%, %अच्छी नौकरी कैसे पाएँ%, %परीक्षा की तैयारी कैसे करें, तो फिर ये सब होता है कि %रात में कितने बजे सोया करें%, सुबह कितने बजे उठा करें%, %महीने के किस दिन किस दिशा को टाँग करके नहीं सोना चाहिए%, %कौन सा शंख बजाएँ%, %कहाँ से रुद्राक्ष पाएँ%।

ये बातें सब बिलकुल बचकानी हैं, आर्तरिक विकास के रुके होने की ओर इशारा करती हैं। लेकिन साथ-ही-साथ ये बातें जानने और पढ़ने के अलावा चारा क्या है उसके पास जिसका दिमाग अभी चौथी कक्षा के स्तर से ऊपर ही नहीं उठा? चौथी में तो ये ही सब बातें चलती हैं न? तो वहाँ यही सब बातें होती हैं। जैसे-जैसे आगे बढ़ते जाओगे, वैसे-वैसे उन सब बचकानी बातों से मन अपने-आप उठता जाएगा।

भारत ने अलग-अलग लोगों की अलग-अलग पात्रता और अलग-अलग स्थिति को जाना है, इसीलिए अलग-अलग लोगों को अलग-अलग तरह की सामग्री अनुमोदित की गई है। जो उच्चतम स्तर के खोजी होते हैं उनके लिए उपनिषद्, उनके लिए वेदांत। जिनको उतनी नहीं बात समझ में आती, उनके लिए फिर महाकाव्य हैं — रामायण, महाभारत। जिन्हें उतना भी नहीं समझ में आता, उनके लिए फिर किस्से-कहानियाँ हैं, जो पुराणों में भरे पड़े हैं। इंद्र ने वरुण से ऐसा कह दिया, फिर देवी नाराज़ हो गईं; फिर ऋषि गए, उन्होंने नारद से कहा और जिन्हें इन बातों की भी समझ नहीं हैं, उनको फिर दे दिए गए हैं कर्मकांड, कि तुम्हें कुछ समझ में नहीं आ सकता। तुम्हारी खोपड़ी में समझने की न्यूनतम क्षमता भी नहीं है तो तुम्हें तो कहानियाँ भी काम नहीं आएँगी। तुमको हम कुछ नियम-कायदे, कर्मकांड, विधि-विधान बताए देते हैं — इस तरीके से पूजा कर लो। जब पूजा करो तो हाथ दाईं ओर घुमाना बाईं ओर नहीं। और एकदम तुम ख्याल रखना कि दायाँ हाथ बाएँ हाथ के ऊपर रहे। और जब अग्नि में आहुति दो, सब कुछ जब हो जाए तो पंडित जी को इस-इस तरीके से फिर दक्षिणा देनी है। तो ये सब बता दिया गया; और इनसे भी नीचे अब एक नया तल तैयार हो गया है, वो है अंधविश्वास का।

भारत ने प्राचीन समय से ये चार तल रखे थे लोगों की धार्मिक प्रगति के लिए। अभी एक पाँचवा भी तैयार कर दिया गया है, वो है अंधविश्वास का। और अंधविश्वास अगर अनपढ़ लोगों द्वारा प्रचारित किया जाए तो पता चलता है कि अन्धविश्वास है। अन्धविश्वास जब पढ़े-लिखे लोगों द्वारा अंग्रेजी में प्रचारित किया जाए तो ऐसा लगता है कोई बड़ी ही बात होगी।

उम्र शारीरिक तौर पर तो खूब बढ़ गई है, लेकिन आतंरिक तौर पर अभी तुम दूसरी कक्षा में ही पढ़ रहे हो, तो ये ज़रूर बड़े अभाग की बात है। और ये खूब होता है। अधिकांश जनसँख्या ऐसी ही है। शरीर देखो चालीस साल का, मन देखो पाँच साल का, आठ साल का। शरीर की आयु तो शरीर देख कर पता चल जाती है, मन की आयु कैसे पता चलेगी? मन दिखाई तो पड़ता नहीं। तो मन की आयु पता चलती है मन की करतूतों से। मन की करतूत अगर पाँचवी के बच्चे जैसी है, तो मन की आयु फिर दस ही वर्ष की होगी।

उपनिषद्, वेदांत आतंरिक प्रौढ़ता में प्रिय लगते हैं। अगर आतंरिक प्रौढ़ता अभी आई ही नहीं है, तो बड़े उबाऊ लगेंगे, एकदम नींद आ जाएगी।

भारत ही नहीं, विश्वभर में अध्यात्म ने जिस उच्चतम शिखर को छुआ है उसका नाम है वेदांत। वेदों के चार हिस्से होते है। पहला हिस्सा मन्त्र, 'संहिताएँ', जिनमें जो प्राकृतिक शक्तियाँ हैं उनको पूजा गया है, उनको मनाने की कोशिश की गई है, उनको अपने पक्ष में रखने की कोशिश की गई है। उनका आह्वाहन किया गया है कि हमारे शत्रुओं का नाश कर दो, और कुछ ऐसा कर दो। उसके बाद जो खंड आता है वो 'ब्राह्मण' कहलाता है। इसमें मंत्रों का, संहिताओं का विस्तृत अर्थ देखने को मिलता है। फिर आते हैं 'अरण्यक'। अरण्यक मतलब वेदों के, श्रुति के वो हिस्से जो जंगल जैसी शान्ति के ध्यान से उद्धृत हैं। आध्यात्मिक तल पर 'अरण्यकों' से वेदों की महत्ता आरम्भ होती है। 'अरण्यकों' से इतर जो वेदों के हिस्से हैं, उनका पारम्परिक और धार्मिक महत्व तो है, आध्यात्मिक महत्व नहीं है।

और फिर आता है वेदों का अद्वितीय, अनुपम शिखर, जिसका नाम है 'उपनिषद'।

राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग में अब हिंदी में भी हो सकेगी

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग उपभोक्ताओं को शोषण से मुक्ति दिलाने के लिए उपभोक्ता मामलों की सुनवाई के लिए देश की सर्वोच्च न्यायिक संस्था है। यदि किसी उपभोक्ता के साथ किसी उत्पादक कंपनी,दुकानदार, एजेंसी होल्डर द्वारा ख़राब गुणवत्ता का सामान बेचा जाता है या सेवा प्रदाता द्वारा किसी भी प्रकार की सेवा में लापरवाही या कमी की जाती है ,जिससे कि उसके उपभोक्ता अधिकारो पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है या उसके साथ किसी प्रकार की ठगी होती है तो उपभोक्ता राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में न्याय पाने के लिए दो करोड़ रुपये से अधिक कीमत के मामलों की शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।वही राज्य उपभोक्ता आयोग द्वारा निर्णित शिकायत से असंतुष्ट होने पर अपील या निगरानी की जा सकती है।इसके लिए अभी तक राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के समक्ष शिकायत, अपील व निगरानी केवल अंग्रेजी भाषा मे ही हो सकती थी।जिला एवं राज्य आयोग की पत्रावली जिसकी बाबत अपील या निगरानी होनी है,से सम्बंधित कागज़ात को अंग्रेजी में अनुवादित करना पड़ता था। यानि आजादी के 75 वर्ष बाद भी पीड़ित उपभोक्ताओं को अपने न्यायिक अधिकारों के लिए पर व्यथा निवारण के लिए अपनी भाषा में अपने शिकायत, अपील व निगरानी दायर करने का अधिकार नहीं था। पीड़ित उपभोक्ताओं को यह अधिकार भी नहीं था कि वह अपने उपभोक्ता अधिकारो के लिए या अपने साथ हो रहे उपभोक्ता शोषण के विरुद्ध राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग में अपनी बात अपनी भाषा में रख सकें । अंग्रेजी की अनिवार्यता के चलते उपभोक्ता राष्ट्रीय आयोग के समक्ष अपनी बात सीधे नही रख पाते थे और उन्हें वकील पर निर्भर रहना पड़ता था। ऐसे अनेक उपभोक्ता मामले हैं जिनमें कई उपभोक्ताओं ने राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग में अपनी बात अपनी भाषा में रखने की मांग की लेकिन राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग उपभोक्ता को न्याय देने से अधिक अंग्रेजी में ड्राफ्टिंग व प्लीडिंग पर अडिग था। हिंदी भाषा समर्थक कई संस्थाओं और व्यक्तियों ने इसके लिए सरकार को लिखा भी, लेकिन हुआ कुछ नही। लेकिन तभी एक पीड़ित उपभोक्ता विनोद शर्मा ने डाक विभाग की सेवा में कमी के मामले को राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निपटारा आयोग के समक्ष याचिका सं - 586/218 विनोद शर्मा बनाम महानिदेशक डाक विभाग, नई दिल्ली के तहत हिंदी भाषा मे प्रस्तुत किया।जिसे राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने हिंदी में याचिका होने के कारण लेने से इनकार कर दिया। जिसपर उंक्त याचिका हिंदी में ही सुनवाई के लिए स्वीकार की गई। यानि अब राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के दरवाजे में हिंदी के लिए खुल गए है,जो एक स्वागत योग्य कदम है।वही उपभोक्ता मामलों में प्रतिपादित विधिक सिद्धांत के अनुसार जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोगों में सुनी जा रहीं शिकायतें हाईकोर्ट को हस्तांतरित नहीं की जा सकतीं। यह बात सुप्रीम कोर्ट ने यस बैंक की एक याचिका की सुनवाई के दौरान कही है।

बढ़ती भुखमरी और भोजन की बर्बादी

यह अजीब है कि एक तरफ दुनिया भुखमरी का दंश झेल रही है, तो दूसरी तरफ करोड़ों टन अन्न बर्बाद हो रहा है। इससे सवाल उठता है कि मानव जिस सभ्यता की ऊंचाई पर है, क्या उसकी जड़ों को नहीं पहचान पा रहा है? दूसरा कि क्या मानव यह समझने में नाकाम है कि पृथ्वी एक सीमा के बाद भोजन देने में सक्षम नहीं है? गौरतलब है कि पृथ्वी दस अरब लोगों का ही पेट भर सकती है और अब दुनिया आठ अरब की आबादी के आसपास खड़ी है।

सुशील कुमार सिंह

भारतीय संस्कृति में मान्यता है कि जहां अन्न का अपमान होता है वहां लक्ष्मी का वास नहीं होता। मगर अब लोग शायद इस बात को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। विकसित और विकासशील देशों में भोजन की बर्बादी का सिलसिला लगातार जारी है। इस मामले में चीन पहले और भारत दूसरे स्थान पर है। हैरत की बात है कि दुनिया में जहां तिरासी करोड़ से अधिक लोग भूखे सो जाते हैं, वहीं खाने की बर्बादी कई करोड़ टन रोज की दर से हो रही है। यूएनईपी की ताजा रिपोर्ट से पता चलता है कि चीन हर साल 9.6 करोड़ टन भोजन बर्बाद करता है और भारत 6.87 करोड़ टन।

अमेरिका 1.93 करोड़ टन। 'यूएनईपी फूड इंडेक्स 2021' की रिपोर्ट के अनुसार 2019 में पूरी दुनिया में तिरानबे करोड़ टन से अधिक खाना बर्बाद हुआ। अब यह आंकड़ा और बड़ा हो चुका है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार भारत में उन्नीस करोड़ लोग रोजाना भूखे सो जाते हैं। यहां खाद्य उत्पाद का चालीस फीसद हिस्सा बर्बाद होता है। यानी सालाना बानबे हजार करोड़ रुपए का भोजन कूड़ेदान में चला जाता है। आश्चर्य की बात यह भी है कि ताजा भूख सूचकांक में भारत एक सौ एकवें से खिसक कर एक सौ सातवें स्थान पर चला गया है, जो भोजन की बर्बादी और भूख के बीच एक नई चिंता की ओर इशारा कर रहा है।

भारत में भोजन की बर्बादी जागरूकता, संवेदनशीलता और भूख के प्रति चिंतन से ही रुक सकती है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने प्रथम विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर 'कम खाओ, सही खाओ' मुहिम को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया और इस संकल्प पर जोर दिया कि एक भी दाना बर्बाद नहीं होना चाहिए। देश की शीर्ष अदालत ने दिशा-निर्देश दिया था कि सभी वैवाहिक स्थल, होटल, मोटल और फार्म हाउस में होने वाले शादी समारोहों में भोजन की बर्बादी को रोका जाना चाहिए।

इसमें कोई दुविधा नहीं कि मानव सभ्यता में अन्न का पहला और सबसे बड़ा योगदान है। यह सभ्य समाज के लिए बड़ी चुनौती है कि करोड़ों भूखे क्यों और कैसे सो रहे हैं। भोजन की बर्बादी से न केवल सरकार, बल्कि सामाजिक संगठन भी चिंतित हैं। बावजूद इसके यह सिलसिला थम नहीं रहा है। इस बात पर भी गौर करने की आवश्यकता है कि खाने की बर्बादी का मुख्य कारण क्या है। आमतौर पर बड़े देशों में ज्यादातर खाना खेत और बाजार के बीच होता है। भोजन का खराब भंडारण और संचालन, खराब पोषण, अपर्याप्त आधारभूत संरचना, घरों में खाने की बर्बादी, रखरखाव में लापरवाही, फलस्वरूप भोजन की खराबी और कूड़ेदान तक पहुंच स्वाभाविक हो जाती है।

यह अजीब है कि एक तरफ दुनिया भुखमरी का दंश झेल रही है, तो दूसरी तरफ करोड़ों टन अन्न बर्बाद हो रहा है। इससे सवाल उठता है कि मानव जिस सभ्यता की ऊंचाई पर है, क्या उसकी जड़ों को नहीं पहचान पा रहा है? दूसरा, कि क्या मानव यह समझने में नाकाम है कि पृथ्वी एक सीमा के बाद भोजन देने में सक्षम नहीं है? गौरतलब है कि पृथ्वी दस अरब लोगों का ही पेट भर सकती है और अब दुनिया आठ अरब की आबादी के आसपास खड़ी है। भोजन फेंकने की आदत पूरी दुनिया में एक अपसंस्कृति बन गई है। अनुमान है कि 2050 तक दुनिया भर में अपशिष्ट भोज्य पदार्थों की बर्बादी दोगुनी हो सकती है और यह बर्बादी इसी दर पर जारी रही तो 2030 तक दुनिया भर में भुखमरी उन्मूलन के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित लक्ष्य 'जीरो हंगर' का उद्देश्य हासिल करना मुश्किल होगा। बड़े होटलों या पार्टियों में अतिरिक्त भोजन के साथ विभिन्न रूपों में खाद्य सामग्री परोसने की आदत के चलते बर्बादी में बढ़ोतरी हुई है। इस बात का समर्थन सभी करेंगे कि भोजन की बर्बादी न केवल सामाजिक और नैतिक अपराध, बल्कि अन्न के प्रति स्वयं का बिगड़ा हुआ अनुशासन है। यह न केवल भुखमरी को अवसर दे रहा है, बल्कि पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों को भी बढ़ा रहा है। अध्ययन से पता चलता है कि थाली के जूठन से पर्यावरणीय दुष्प्रभाव भी सामने आने लगे हैं। 'वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट आफ राकफेलर फाउंडेशन' द्वारा किए गए शोध के अनुसार भोजन की बर्बादी के चलते ग्रीन हाउस गैसों में आठ से दस फीसद तक की बढ़ोतरी होती है। जाहिर है, ग्लोबल वार्मिंग के लिहाज से भी भोजन की बर्बादी एक समस्या बनी हुई है। इतना ही नहीं, भोजन के सड़े-गले अवशेष से कई बीमारियां जन्म लेती हैं। आंकड़े बताते हैं कि अवशिष्ट भोजन से हर साल साढ़े चार गीगा टन कार्बन डाइआक्साइड का उत्सर्जन होता है। पेरिस जलवायु समझौते में दुनिया से दो डिग्री सेल्सियस तापमान घटाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अगर भोजन की बर्बादी पर विराम लग जाए तो ग्रीन हाउस गैसों में न केवल कटौती होगी, बल्कि जलवायु परिवर्तन की समस्या के साथ-साथ भुखमरी की समस्या से भी कमोबेश निजात मिल सकती है। एक अच्छी आदत से ही भोजन की बर्बादी को कम किया जा सकता है और यह अच्छी आदत बच्चों को बड़े सिखाएं और बड़े अन्न की कद्र करें तथा होटल और रेस्तरां में परोसी गई थाली की कीमत रुपए से आंकने के बजाय जरूरत और जीवन के आधार पर आंकी जाए, ताकि भोजन की बर्बादी रोकी जा सके। बर्बाद होते भोजन और इससे बढ़ती समस्या से पार पाने के मकसद से दुनिया के तमाम देशों में सरकारी नीतियां बनाई और जागरूकता पैदा करने के लिए कई सराहनीय पहल भी की जा रही हैं। गौरतलब है कि संसार के कई देशों में 2030 तक भोजन की बर्बादी को आधा करने का लक्ष्य बनाया है। इसमें सबसे पहला नाम आस्ट्रेलिया का है। आस्ट्रेलिया में एक व्यक्ति एक वर्ष में 102 किलोग्राम खाना बर्बाद करता है।

इसके चलते वहां की अर्थव्यवस्था पर हर साल बीस मिलियन डालर का नुकसान होता है। ऐसे में यहां अन्न की बर्बादी रोकने में जुड़ी संस्थाओं को सरकार प्रोत्साहन दे रही है और अच्छा-खासा निवेश कर रही है। नार्वे मानव विकास सूचकांक के मामले में शीर्ष देशों में शामिल है, जबकि वहां भी हर साल साढ़े तीन लाख टन भोजन कूड़ेदान में जाता है। यहां का एक नागरिक भी अड़सठ किलो भोजन बर्बाद कर देता है। इसने भी 2030 तक इस बर्बादी को आधा करने का नियोजन बनाया है। चीन भोजन बर्बादी के मामले में अव्वल है। अब वहां 'आपरेशन एंप्टी प्लेट' नीति के तहत थाली में खाना छोड़ने पर रेस्तरां में जुर्माना लगाया जा रहा है।

यूरोपीय देशों में फ्रांस दुनिया का पहला देश है, जिसने सुपर मार्केट को बिना बिका भोजन बाहर फेंकने पर साल 2016 में प्रतिबंधित कर दिया था। गौरतलब है कि फ्रांस और इटली जैसे देशों में ऐसे भोजन को दान देने पर जोर दिया जा रहा है। कुछ इसी तर्ज पर लंदन, स्टाकहोम, कोपेनहेगन, न्यूजीलैंड के आकलैंड और इटली के मिलान जैसे शहरों में अतिरिक्त भोजन को जरूरतमंदो के बीच बांटने का काम होता है। भारत में रोटी बैंक के माध्यम से भोजन को जरूरतमंदों के बीच बांटा जा रहा है। ऐसी संस्थाओं के प्रति लोगों की चेतना और जागरूकता बढ़नी चाहिए, ताकि बचे हुए भोजन को बर्बाद होने से पहले भूखे लोगों तक पहुंचाया जा सके। मगर विडंबना है कि देश गरीबी और भुखमरी की राह पर सरपट दौड़ रहा है और भोजन की बर्बादी के प्रति लोगों की संवेदनशीलता खत्म होती जा रही है।

दैनिक वीर दृष्टि

पीएम मोदी सीमा पर खड़े हो जाएं तो चीन को पीछे भागना पड़ेगाः सीआर पाटील

मेहसाणा। गुजरात चुनाव के लिए राज्य में सियासी हलचल तेज हो गई है। दोनों चरणों के लिए नामांकन प्रक्रिया आज खत्म हो गई और सभी राजनीतिक दल कल प्रचार-प्रसार पर जोर लगाएंगे। आज मेहसाणा पहुंचे गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने पड़ौसी देशों को लेकर बड़ा बयान दिया। पाटील ने कहा कि पीएम मोदी ने पाकिस्तान के घर में घुसकर उसको मुंहतोड़ जवाब दिया है। चीन भी आगे बढ़ने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा। मोदी जी अगर सीमा पर खड़े हो जाएं चीन को पीछे भागना पड़ जाएगा। चीन अगर देश की सीमा में घुसा तो उसका शव वापस जाता है। मेहसाणा के खेरालू में उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने वलसाड में कहा था कि मैं चुनाव अपना ही रिकार्ड तोड़ने के लिए लड़ता हूं। ऐसे में हमे पीएम मोदी को भरासा दिलाना है कि हम अपने सभी रिकार्ड तोड़ देंगे। भाजपा कार्यकर्ता जीतता है और सत्ता प्राप्त कर जनता की सेवा करता है। सत्ता का सदुपयोग करने वाला कभी असफल नहीं होता और चुनाव में भाजपा और पांच साल के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। आज विरोधी भी मान रहे हैं कि गुजरात में फिर एक बार भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी और अमित शाह ने एक एक कार्यकर्ता को ढूंढ ढूंढ कर टिकट दिया है, जिसमें कोई बिल्डर या बड़ा आदमी नहीं है। भाजपा के ही कार्यकर्ताओं को चुनाव मैदान में उतारा गया है। पाटील ने कहा कि अपना संगठन बड़ा है तो कम सीटें नहीं चलेंगे, कम से कम 150 सीट तो चुनाव में जीतना ही है। भाजपा को ऐसे कार्यकर्ता चाहिए जो चुनाव जिता सके। खेरालु क्षेत्र में 30000 पन्ना समिति के सदस्य हैं। जहां एक घर के 3 वोटों को जोड़ें तो 90000 वोट होते हैं। डेढ़ लाख में से 90000 वोट भाजपा को मिलते हैं तो हमारी जीत सुनिश्चित है। इस मौके पर पाटील ने विपक्षी दलों पर कड़े प्रहार करते हुए रेवडीवाले से सभी सतर्क रहें। साथ ही कहा कि 8 दिसंबर के बाद के टिकट कैंसल करवा देना, क्योंकि 8 दिसंबर के बाद रेवडीवाला को कहीं जाने की जरूरत नहीं होगी। उन्होंने अरविंद केजरीवाल का नाम लिए बगैर उन्हें रेवडीवाला और महाठग बताया। साथ ही कहा कि उनका नाम मत लो केवल महाठग कहो। गुजरात में जितनी रेवडियां बांटी हैं उनकी गिनती करो तो राज्य का बजट भी कम पड़ जाएगा। बाकी के पैसे कहां से आएंगे इसका जवाब रेवडीवाले को देना चाहिए। सीआर पाटील ने कहा कि भ्रष्टाचार की बात कर केजरीवाल लोगों को गुमराह कर रहे हैं। जबकि उनके कई मंत्री जेल में बंद हैं। ऐसा लगता है कि कुछ दिनों के बाद केजरीवाल को कैबिनेट की बैठक भी जेल में बुलानी पड़ेगी। ऐसे लोगों पर गुजरात के लोग भरोसा ना करें।

ईडी की मदद से मेरी सरकार गिराने का षड्यंत्र चल रहाः हेमंत सोरेन

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ईडी के समक्ष पूछताछ के लिए पेश होने के पहले कहा कि ईडी की कार्रवाई उनकी सरकार को अस्थिर करने के षड्यंत्र का हिस्सा है। अवैध खनन को लेकर उन पर लगे आरोप पूरी तरह निराधार हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्यपाल का पद राजनीति और पार्टी से ऊपर होता है, लेकिन इनके कार्यकलापों से ऐसा लगता है कि वे षड्यंत्रकारी राजनीति करने वाले दलों को संरक्षण दे रहे हैं।

एक तरफ माइनिंग लीज मामले में चुनाव आयोग के मंतव्य की चिट्ठी का लिफाफा राज्यपाल महीनों बाद भी नहीं खोलते, और दूसरी तरफ बयान देते हैं राज्य में बम-पटाखा फूट सकता है। राज्यपाल के बयान के तुरंत बाद ईडी का समन आता है और सत्ताधारी दलों के विधायकों के घरों पर आईटी और केंद्रीय एजेंसियों का छापा पड़ने लगता है। उन्होंने कहा कि उन्हें खबर है कि अभी कई और विधायकों के यहां छापमारी की तैयारी चल रही है। यह सब षड्यंत्र का हिस्सा है।

सोरेन ने राज्यपाल द्वारा माइनिंग लीज मामले में चुनाव आयोग से दूसरे ओपिनियन मांगे जाने को भी असंवैधानिक बताया। उन्होंने कहा कि जबकि राज्यपाल मीडिया में बयान देते हैं कि चुनाव आयोग से उन्होंने सेकंड ओपिनियन मांगा है, जबकि आयोग ने उन्हें बताया है कि इस लेकर राज्यपाल का कोई पत्र नहीं आया है। सोरेन ने कहा कि जब उनकी सरकार ने राज्य में संसाधनों का सदुपयोग कर राजस्व बढ़ाया, लंबी लकीर खींची और राज्य के लोगों का विश्वास सरकार के प्रति बढ़ा, तब हाशिए पर जाते विपक्षी दलों में बौखलाहट बढ़ गई और षड्यंत्र शुरू हो गया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार बनने के साथ ही इस गिराने का षड्यंत्र शुरू हो गया था।

सोरेन ने कहा कि लोकतंत्र का सम्मान होना चाहिए, इसकारण वे ईडी के सामने जा रहे हैं। ईडी की जांच पड़ताल पर सवाल उठाकर उन्होंने कहा कि साहबगंज जिले में एक हजार करोड़ के अवैध खनन का आरोप लगाया गया है, जबकि यह संभव ही नहीं है।

पुल हादसे पर मोरबी नगर पालिका को फिर फटकार

गुजरात एचसी बोला- हल्के में मत लो, शाम तक जवाब दो या 1 लाख जुर्माना भरो

मोरबी (एजेंसी)। गुजरात हाईकोर्ट ने मोरबी ब्रिज हादसे पर नगर पालिका के ढुलमुल रवैए पर कड़ा रुख अपना लिया है। बुधवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने तल्ख अंदाज में कहा- इस मामले को हल्के में न लें। आज शाम 4.30 बजे तक जवाबी हलफनामा दाखिल करें नहीं तो 1 लाख रुपए का जुर्माना भरें। मोरबी हादसे पर सुनवाई की अगली तारीख 24 नवंबर है, लेकिन मोरबी नगर पालिका

को आज, यानी 16 नवंबर कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया गया था। मोरबी सिविल बॉडी की तरफ से कोर्ट में आए वकील ने कोर्ट में कहा है कि नगर पालिका का प्रभार संभाल रहे डिप्टी कलेक्टर चुनाव ड्यूटी पर हैं। वे कोर्ट के 7 नवंबर के आदेश के अनुसार जवाब दाखिल करने के लिए वकील सिलेक्ट नहीं कर पा रहे हैं। हालांकि, सिविक बॉडी ने हलफनामा दाखिल करने 24 नवंबर तक का समय मांगा था, लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया। गुजरात हाईकोर्ट ने एक दिन पहले भी मोरबी नगर पालिका को जमकर फटकार लगाई थी।

दिग्विजय सिंह अपनी वाणी को आईएसआई से कराते है रिचार्ज- डॉ. नरोत्तम मिश्रा

मुसलमानों को अपनी जागीर समझती है कांग्रेस

भोपाल। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को लेकर दिग्विजय सिंह द्वारा आरएसएस प्रमुख डॉ भागवत व प्रधानमंत्री मोदी जी पर की गई टिप्पणी पर प्रदेश के गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहां कि उन्हें तो आज तक यही समझ में नहीं आया कि दिग्गी राजा अपनी वाणी में इतना जहर लाते कहा से है,ऐसा लगता हे कि वह जुबान को आईएसआई से रिचार्ज कराते है।

गृह मंत्री डॉ मिश्रा ने कहा कि पता नही क्या कारण हैं कि मुसलमानों की किसी अन्य से निकटता होती है तो कांग्रेस नेता विचलित हो जाते है और अनाप शनाप बोलने लगते हैं।दरअसल कांग्रेस सदैव से ही मुसलमानों को अपना वोट बैंक बनाए रखना चाहती है।कांग्रेस मुसलमानों को वोट बैंक और दिग्विजय सिंह उन्हे अपना जागीर समझते है। जेसे ही मुसलमान किसी और के निकट जाने लगते हे तो उसे सहन नही होता है। गृह मंत्री डॉ मिश्रा ने कहा कि जहा तक श्रध्येय डॉ भागवत जी की बात है तो वह पहले ही कह चुके है कि सभी भारतीयों का डीएनए एक है। जब सभी एक है तो फिर कांग्रेस हिंदू मुसलमान क्यों

करती हैं। जेसे ही हिंदू ,मुसलमान पास आते है छद्म सेकुलरवादियो का चोला ओढ़े कांग्रेसियों के पेट में दर्द होना शुरू हो जाता है। गृह मंत्री ने कहा कि देश कांग्रेस की बांटो और राज करो की नीति को अच्छे से जानता है इसलिए अब हिंदू हो या मुसलमान कांग्रेस नेताओं के बयानों पर ध्यान नहीं देता है।देश एक तरह से कांग्रेस को खारिज कर चुका है।

गुजरात चुनाव से हटे एएपी कैंडीडेट, जमकर बवाल

पार्टी का आरोप- भाजपा ने किडनैप किया, गनपॉइंट पर नॉमिनेशन वापस कराया

सूरत (एजेंसी)। गुजरात में आम आदमी पार्टी के कैंडीडेट कंचन जरीवाला बुधवार को नॉमिनेशन वापस लेने पहुंचे। वहीं एएपी के सीएम कैंडीडेट इसुदान गढ़वी ने कहा कि कंचन जरीवाला मंगलवार शाम से गायब हैं। गढ़वी का आरोप है कि भाजपा के गुंडों ने जरीवाला को परिवार समेत अगवा कर

लिया है। न्यूज एजेंसी ने बुधवार को एक वीडियो जारी किया। इसमें सूरत-ईस्ट से आप के कैंडीडेट कंचन जरीवाला को कई लोगों के घेरे में चुनाव अधिकारी के दफ्तर में जाते देखा जा सकता है। एजेंसी के मुताबिक जरीवाला नॉमिनशन वापस लेने वहां पहुंचे थे। एएपी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दावा किया, सूरत से हमारे प्रत्याशी कंचन जरीवाला और उनका परिवार कल से लापता है। पहले भाजपा ने उनका नामांकन रद्द कराने की कोशिश की, लेकिन उनका नामांकन स्वीकार कर लिया गया। बाद में उन पर नामांकन वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा था। क्या उनका अपहरण कर लिया गया है।

अजय माकन का राजस्थान प्रभारी पद से इस्तीफा

गहलोत गुट के बगावती विधायकों पर ऐक्शन न होने से नाराज, खड़गे से कहा- दूसरा प्रभारी ढूंढ लें

जयपुर/नई दिल्ली (एजेंसी)। अजय माकन ने राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी का पद छोड़ दिया है। माकन ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को 8 नवंबर को चिट्ठी लिखकर राजस्थान प्रभारी के तौर पर काम करने से मना कर दिया है। साथ ही, दूसरा प्रभारी ढूंढने की अपील की है। इस चिट्ठी के बाद अब माना जा रहा है कि माकन राजस्थान प्रभारी के तौर पर काम नहीं करेंगे। अजय माकन ने चिट्ठी में 25 सितंबर को गहलोत गुट के विधायकों की बगावत और उन पर एक्शन नहीं होने का मुद्दा उठाया है। माकन ने लिखा है कि दिसंबर के पहले हफ्ते में भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान आ रही है। 4 दिसंबर को उपचुनाव हो रहे हैं। ऐसे में राजस्थान का नया प्रभारी नियुक्त किया जाना जरूरी है। भारत जोड़ो यात्रा और उपचुनाव से पहले प्रदेश प्रभारी का पद छोड़ना कांग्रेस की खींचतान में नया

चैप्टर माना जा रहा है। 25 सितंबर को विधायक दल की बैठक में मौजूदा अध्यक्ष खड़गे के साथ अजय माकन पर्यवेक्षक बनकर जयपुर आए थे। गहलोत गुट के विधायकों ने विधायक दल की बैठक का बहिष्कार किया था। इसके बाद खड़गे और माकन ने दिल्ली जाकर सोनिया गांधी को रिपोर्ट दी थी। इस रिपोर्ट के आधार पर ही मंत्री शांति धारीवाल, महेश जोशी और आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ को नोटिस जारी किए गए थे। तीनों नेताओं ने जवाब भी दे दिया, लेकिन अब मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। तीनों नेताओं को विधायक दल की बैठक का बहिष्कार करके धारीवाल के घर बैठक बुलाने के लिए जिम्मेदार माना गया था। अजय माकन ने अपनी चिट्ठी में 25 सितंबर के सियासी बवाल का जिक्र करते हुए अब तक कार्रवाई नहीं होने की तरफ इशारा किया है।

मालाबार में क्वाड देशों ने दुनिया को दिखाई ताकत

- इंडियन वॉरशिप आईएनएस शिवालिक-कमोर्टा ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। जापान के योकोसूका में आयोजित मालाबार युद्धाभ्यास का 26वां एडीशन मंगलवार को खत्म हो गया। 9 नवंबर को शुरू हुए इस युद्धाभ्यास में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की नौसेनाओं ने हिस्सा लिया। यह चारों देश क्वाड का भी हिस्सा हैं। यह

युद्धाभ्यास जापान मैरीटाइम सेल्फ डिफेंस फोर्स ने आयोजित किया था। भारतीय नौसेना की ओर से इस युद्धाभ्यास में आईएनएस शिवालिक और कमोर्टा शामिल हुए। ये दोनों ही स्वदेशी युद्धपोत हैं। शिवालिक एक मल्टी रोल स्टेल्थ फ्रीगेट है, जो एंटी-सबमरीन वॉरफेयर में भी हिस्सा ले सकता है। वहीं, कामोर्तो पूरी तरह एंटी-सबमरीन वॉरफेयर जहाज है। इस साल मालाबार एक्सरसाइज का उद्देश्य एंटी-सबमरीन वॉरफेयर ड्रिल है।

(इन्दौर) केरला टूरिज़्म ने सर्दियों के मौसम में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिये बड़ी योजना बनाई

कुत्ते के हमले में घायल महिला को मिलेंगे 2 लाख

उपभोक्ता फोरम का आदेश-मालिक से वसूलें रकम; 11 नस्लों को पालने पर भी बैन

गुरुग्राम (एजेंसी)। कुत्ते के हमले में घायल हुई महिला को 2 लाख रुपए का मुआवजा मिलेगा। यह आदेश जिला उपभोक्ता विवाद निवारण फोरम ने मंगलवार को गुरुग्राम नगर निगम को दिया। फोरम ने यह भी कहा है कि अगर निगम चाहे तो यह पैसा वह कुत्ते के मालिक से भी वसूल कर सकती है। दरअसल 11 अगस्त को सोसाइटी में काम करने

वाली एक महिला मुन्नी पर विनीत चिकारा के पालतू कुत्ते ने हमला कर दिया था। जिसमें उसके सिर और चेहरे पर गंभीर चोटें आई थीं और उसे गुरुग्राम के सिविल अस्पताल से दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में रेफर किया गया था। गुरुग्राम सिविल लाइन थाने में दर्ज एफआईआर में कुत्ते की नस्ल पिटबुल बताई गई थी, बाद में, मालिक ने बताया था कि उसकी नस्ल डोगो अर्जेंटीनो है। फोरम ने एमसीजी को कुत्ते को हिरासत में लेने और चिकारा के कुत्ता रखने के लाइसेंस तत्काल प्रभाव से रद्द करने का निर्देश दिया है। मंगलवार को संजीव जिंदल की कंज्यूमर कोर्ट ने पीड़ित को अंतरिम मुआवजा देने के आदेश के साथ जिले में खतरनाक नस्ल के 11 कुत्तों पर पूरी तरह से बैन लगा दिया है।

पोलैंड बोला- रूस ने हम पर कई मिसाइलें दागीं

अब तक हर बात पर चेतावनी देने वाले बाइडेन बोले-वो रूस की नहीं होंगी

मास्को (एजेंसी)। रूस-यूक्रेन जंग के बीच पोलैंड ने मंगलवार को आरोप लगाया कि रूस ने उस पर मिसाइलें दागी हैं। पोलैंड के प्रधानमंत्री के प्रवक्ता ने कहा कि उनके देश में रूस में बनी 2 मिसाइलें गिरी हैं। इसमें दो लोगों की जान चली गई। रूस ने पोलैंड पर मिसाइलें दागने से इनकार

कर दिया। इस बीच सबसे चौंकाने वाला बयान अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन का रहा। उन्होंने कहा कि पोलैंड में रूस की मिसाइलें गिरना संभव नहीं लगता है। अब तक रूस को चेतावनी देते रहे बाइडेन ने कहा- प्राइमरी इन्वेस्टीगेशन में सामने आया है कि ये मिसाइलें यूक्रेनी सैनिकों की जवाबी कार्रवाई के बाद पोलैंड में गिरी हैं। रूस ने यूक्रेन पर 100 मिसाइलें दागी थीं। इनमें से 2 मिलाइलें पोलैंड में गिरीं। पोलैंड के पीएम माटुस्ज मोराविकी ने मिसाइल गिरने की खबरों के बाद आपात बैठक बुलाई। सरकार के प्रवक्ता पिओतर मुलर ने कहा कि मामले की जांच जारी है। रूसी राजदूत से भी इस घटना पर तत्काल स्पष्टीकरण मांगा गया है। यह हमला गंभीर मामला है।

इमरान ने दाऊद के दोस्त को बेच दी 'काबा' वाली घड़ी

दुबई के बिजनेसमैन ने किया दावा, मीडिया के सामने दिखाई काबा वाली घड़ी

सऊदी क्राउन प्रिंस ने दिया था 2 अरब रुपए का तोहफा, पाकिस्तान में बवाल

इस्लामाबाद (एजेंसी)। दुबई के एक बिजनेसमैन उमर फारूक जहूर ने दावा किया है कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के सहयोगियों, फराह गोगी और शाहजाद अकबर ने उन्हें एक बेहद महंगी घड़ी बेची थी। उनका कहना है कि इस घड़ी को सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने इमरान को तोहफे में दिया था। पाकिस्तानी अरबपति ने यह दावा किया कि उनके पास इसके सबूत हैं कि फराह गोगी ने उन्हें 2 अरब रुपए की घड़ी और तीन अन्य तोशाखाना के गिफ्ट बेचे थे। पाकिस्तान की जांच एजेंसी एफआईए का आरोप है कि फारुक जहूर अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम का पार्टनर है। पाकिस्तानी न्यूज चैनल जियो टीवी के मुताबिक, जहूर ने एक

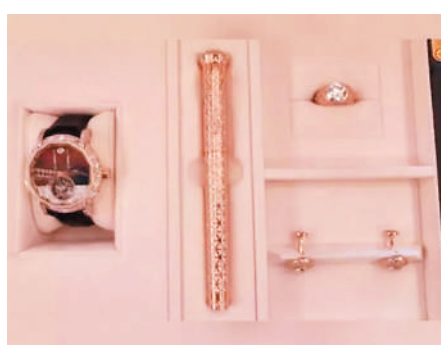

एफिडेविट में घड़ी के सौदे की जानकारी दी है। उन्होंने एफिडेविट में फराह गोगी से खरीदे चार तोहफों के बारे में बताया है जो सऊदी क्राउन प्रिंस ने इमरान को दिए थे। इन तोहफों में एक डायमंड की घड़ी जिसके डायल पर मक्का की तस्वीर बनी हुई थी, डायमंड के कफलिंक्स, डायमंड रिंग और रोज गोल्ड पेन शामिल था। खबर के अनुसार, इमरान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी ने सिर्फ 4 करोड़ रुपए से भी कम का भुगतान करके पाकिस्तान सरकार के तोशाखाना से 14 करोड़ 20 लाख रुपए के सभी 112 तोहफों को खरीद लिया था। तोशाखाना विवाद के चलते इमरान को पाकिस्तान चुनाव आयोग अयोग्य करार दे चुका है। महीनों तक आरोपों से बचने के बाद इमरान ने 8 सितंबर को चुनावी निकाय को एक लिखित प्रतिक्रिया में स्वीकार किया कि

प्रधानमंत्री रहते हुए उन्होंने कम से कम चार तोहफे बेचे थे। यह खबर प्रकाशित करने के लिए इमरान खान ने पाकिस्तानी पत्रकार शाहजेब खानजदा और जियो टीवी के खिलाफ मुकदमा करने की धमकी दी है। खानजदा के साथ जियो टीवी पर एक इंटरव्यू में जहूर तोहफों का पूरा सेट दिखाते हुए नजर आ रहे हैं जिसे उन्होंने इमरान से खरीदा था। उन्होंने आरोप लगाया कि इमरान ने 2 अरब रुपए की बेशकीमती घड़ी, जिस पर काबा की तस्वीर बनी हुई है, भी उन्हें बेच दी। उन्होंने कहा कि यह दुनिया में इकलौता पीस है जिसे खासतौर पर सऊदी अरब के शाही परिवार के लिए बनाया गया था।

दैनिक वीर दृष्टि

क्रिएटिविटी है तो एनिमेशन में बना सकते हैं करियर...

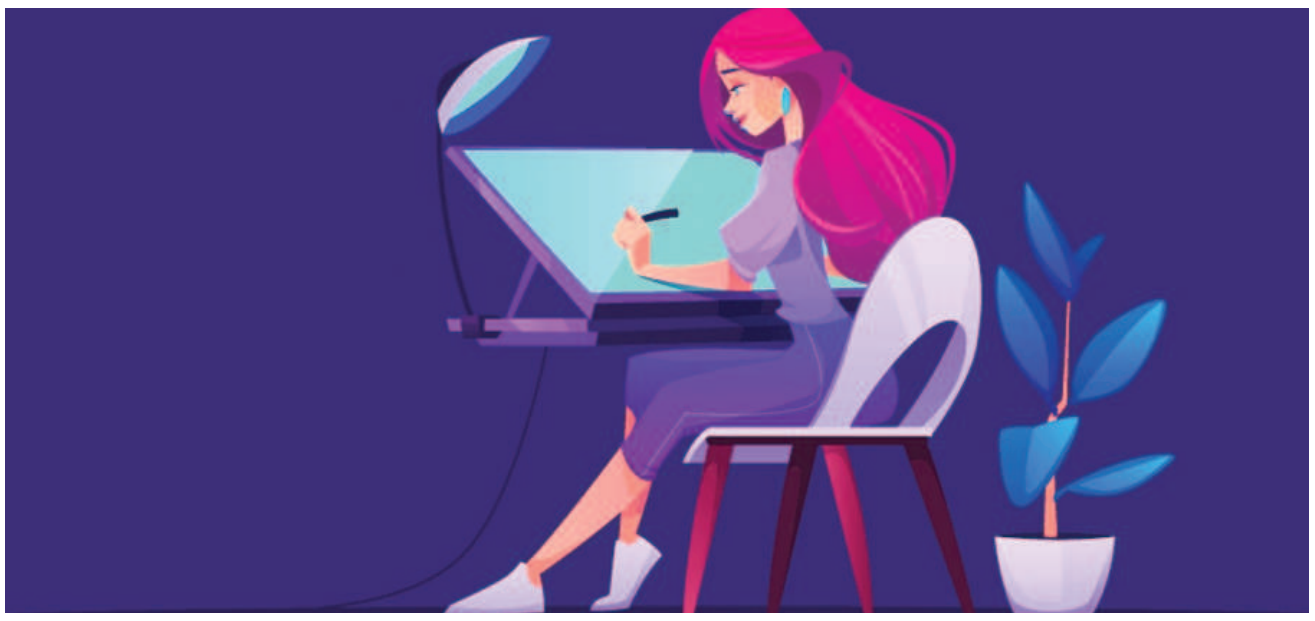

एनीमेशन के क्षेत्र में आपार संभावनाएं हैं। एनिमेशन का प्रयोग ना केवल छोटे-मोटे एडवरटाइजमेंट और ग्राफ़िक्स इत्यादि में किया जाता है, बल्कि पूरी की पूरी फिल्में और सीरियल्स भी इसी पर बनने लगे हैं। कार्टून सीरियल आदि भी एनिमेशन के जरिये ही काम करते हैं। एनिमेशन कोर्स दसवीं पाक भी कर सकते हैं। बस आपमें क्रिएटिविटी (रचनात्मकता) और नये विचारों के साथ ही लगातार बेहतर करने का जुनून होना चाहिये। एनीमेशन में कॅरियर बनाने के इच्छुक लोग ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट व डिप्लोमा कोर्स अवश्य कर सकते हैं। अधिकांश कॉलेजों में बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स (बीएफए) में एक विषय के तौर पर भी एनिमेशन पढ़ाया जाता है। कई बड़े संस्थानों में डिप्लोमा या एडवांस डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स के तहत मार्केट की मांग के मुताबिक एनिमेशन की प्रोफेशनल ट्रेनिंग दी जाती है, जहां इंडस्ट्री के प्रोजेक्ट पर भी काम करने का मौका मिलता है। ऐसे कोर्सों का समय एक से दो वर्ष का होता है। इसके दौरान ड्राइंग, ग्राफिक्स, प्रोडक्शन, प्रोग्रामिंग, लाइटिंग इत्यादि के साथ-साथ एनिमेशन एवं डिजिटल आर्ट्स की डिटेल में जानकारी प्रदान की जाती है।

मुख्य रूप से 2-डी और 3-डी एनिमेशन का आज के समय में काफी चलन है। हालांकि मोशन ग्राफ़िक्स एवं स्टॉप एनीमेशन भी कई जगहों पर प्रयोग में लाया जाता है। एनिमेशन के क्षेत्र में कैरियर बनाने के लिए आपका क्रिएटिव होना ज्यादा आवश्यक होता है। अगर आप अपने विचारों को, अपनी इमैजिनेशन को नया रूप दे सकते हैं, उसे नये तरीके से सोच सकते हैं, तो इस बात में कोई संदेह नहीं है कि एनिमेशन क्षेत्र में आप एक बेहतर कैरियर बना सकते हैं। क्रिएटिविटी के साथ-साथ एनिमेशन के लिए तमाम तकनीकी जानकारी की आवश्यकता भी होती है। जैसे स्क्रिप्टिंग, स्कल्पटिंग, लाइफ ड्राइंग, मॉडल एनिमेशन आदि। ध्यान रहे कि एक पेशेवर एनिमेटर बनने के लिए कठिन परिश्रम , के साथ विज़ुअलाइज़िंग एबिलिटी, इमैजिनेशन, क्रिएटीविटी, लॉजिकल अंडरस्टैंडिंग और डेडलाइन के तहत कार्य करने की आदत भी होनी चाहिए। आप घर पर भी सॉफ्टवेयर की सहायता से एनिमेशन सीख सकते हैं। आज के इंटरनेट के दौर में आप यूट्यूब से भी एनीमेशन के कई सॉफ्टवेयर और उसे ऑपरेट करने के लिए फॉर्मल ट्रेनिंग प्राप्त कर सकते हैं। रोजगार की बात करें तो इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। तमाम विज्ञापन एजेंसीज में एनीमेशंस का प्रयोग बेहतर ढंग से होने लगा है, तो वेब डिजाइनिंग के क्षेत्र में भी इसका प्रयोग बड़े स्तर पर हो रहा है। साथ ही टीवी सीरियल, ओटीटी और फिल्म निर्माण के क्षेत्र में तो इसका प्रयोग है ही। आप चाहें तो अनुभव के बाद इस अपना स्वयं का काम भी शुरु कर सकते हैं।

इतिहास के छात्रों के पास हैं ये विकल्प...

अगर आपने इतिहास से उच्चशिक्षा हासिल की है तो भी आप बेहतर कैरियर बना सकते हैं। यह सही है कि इतिहास से स्नातक करने वाले छात्रों के लिए रोजगार के अवसर अपेक्षाकृत कम हैं, परन्तु फिर भी निम्नलिखित करियर विकल्प में से आप किसी एक को अपनी क्षमता के अनुसार चुन सकते हैं। सबसे पहले प्रतियोगी परीक्षा जैसे स्टेट सिविल सेवा, बैंक प्रोबेशनरी ऑफिसर, रेलवे, कंबाइंड डिफेंस सर्विस के रास्ते इतिहास ग्रेजुएट्स के लिए खुले हैं।

आप हर उस गैर तकनीकी सेवा में जाने की योजना बना सकते हैं, जिसमें प्रवेश के लिए स्नातक की डिग्री आवश्यक है। इस प्रकार की रिक्तियों की जानकारी के लिए नियमित रूप से रोजगार समाचार देखते रहें। अन्य विकल्प के तौर पर देश के विभिन्न संग्रहालय ऐसे पोस्ट-ग्रेजुएट्स को खोजते हैं, जिन्होंने इतिहास या संग्रहालय विज्ञान में स्नातकोत्तर की पढ़ाई की है। ऐसे छात्रों को संग्रहालयों और आर्ट गैलरी में रिकॉर्ड इन्फॉर्मेशन ऑफिसर, म्यूजियम क्यूरेटर, रिकॉर्ड मैनेजर, आर्किविस्ट जैसे पदों पर नियुक्त किया जाता है। इस प्रकार की रिक्तियों की जानकारी के लिए नियमित रूप से देश भर के विभिन्न संग्रहालयों की वेबसाइट देखते रहें।

इसके अलावा ट्रेवल एंड टूरिज्म का क्षेत्र करियर के लिहाज से हिस्ट्री ग्रेजुएट्स के लिए अधिक कारगर है, क्योंकि ऐसे छात्रों को देश के विभिन्न ऐतिहासिक स्थानों की गहन जानकारी होती है और वे उन जगहों के बारे में अपेक्षाकृत अधिक विस्तार से पर्यटकों को बता सकते हैं। भारतीय इतिहास की अच्छी नॉलेज रखने वाले छात्र को जहां एक ओर ट्रैवल एंड टूरिज्म कंपनियों में ट्रिप एडवाइजर की जॉब आसानी से मिल जाती है, वहीं दूसरी ओर स्वरोजगार में रुचि रखने वाले हिस्ट्री ग्रेजुएट्स अपनी स्वयं की भी टूर एंड ट्रैवल एजेंसी स्थापित कर सकते हैं। इनके अतिरिक्त टीचिंग, लॉ, एमबीए, पब्लिक रिलेशन, इवेंट मैनेजमेंट और पत्रकारिता - ये कुछ अन्य ऐसे सामान्य करियर ऑप्शन्स हैं, जो हिस्ट्री ग्रेजुएट्स के लिए खुले हुए हैं।

वॉयस-ओवर कलाकार बने

अगर आपकी आवाज़ मधुर और प्रभावशाली तो आज वॉयस-ओवर-आर्टिस्ट बन सकते हैं। वॉयस-ओवर कलाकार एनिमेटेड फिल्मों, वृत्तचित्रों और टेलीविजन शो के लिए आवाज़ प्रदान करते हैं और टेलीविजन और रेडियो विज्ञापनों में वॉयस-ओवर करते हैं। वॉयस-ओवर कलाकार एनिमेटेड पात्रों के लिए आवाजें प्रदान करते हैं, जिनमें फीचर फिल्में, टेलीविजन कार्यक्रम, एनिमेटेड लघु फिल्में और वीडियो गेम शामिल हैं। ये ऐसे लोग हैं जो अपने दैनिक जीवन में एक बदलाव लाने के लिए अपनी मेहनत और प्रयास इन आवाज़ों को दर्ज करने के लिए करते हैं। जिस डिजिटल समय में हम रहते हैं, उसमें वॉयस-ओवर कलाकारों का महत्व और प्रभुत्व बढ़ रहा है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि आजकल वॉइस-ओवर-कलाकार के रूप में कॅरियर को युवाओं के लिए एक शानदार विकल्प माना जाता है।

सामान्यतया, वॉयस-ओवर आर्टिस्ट बनने के लिए अच्छी आवाज़ ही एकमात्र पात्रता मानदंड होता है। हालांकि, यह बहुत आसान लग सकता है, लेकिन जब यह वास्तव में एक वीडियो या एक चरित्र के लिए वॉइस-ओवर करने की बात आती है, तो कई चीजें हैं जो सामने आती हैं। लेकिन, मुख्य रूप से एक अच्छी आवाज और विभिन्न प्रकार के वॉयस मॉड्यूलेशन पर नियंत्रण वॉयस-ओवर आर्टिस्ट बनने के लिए प्राथमिक आवश्यकताएं होती हैं। साथ ही साथ आपको भाषा और व्याकरण का अच्छा ज्ञान होना चाहिए और उच्चारण पर उचित नियंत्रण।

इसके लिए आप कुछ अभिनय पाठ्यक्रम का चुनाव कर सकते हैं, जहाँ से आपको एक अभिनय की डिग्री प्राप्त हो सके, क्योंकि वॉइस-ओवर काम का एक बड़ा हिस्सा अनिवार्य रूप से अभिनय कार्य ही है।

अपेक्षाकृत अज्ञात कॅरियर विकल्प होने के बावजूद, वॉयस-ओवर-कलाकारों को दी जाने वाली भूमिकाएं और जिम्मेदारियां भिन्न भिन्न हैं। यह वीडियो के लिए बुनियादी वॉइस-ओवर गतिविधियों से शुरू होता है या रेडियो जिंगल्स के लिए आपकी आवाज़ की पेशकश करता है। एक बार सफल और स्थापित होने के बाद आप फिल्मों और टीवी शो या कार्टून शो के लिए डबिंग जैसे उच्च मूल्य वाले प्रोजेक्ट भी ले सकते हैं। गुणवत्ता वाले वॉयस-ओवर-कलाकारों की मांग बहुत अच्छी है वे, टीवी के साथ ही एफएम रेडियो सहित एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन पर एनाउंसमेंट क्षेत्र में भी जार सकते हैं।

कम पैसे में शुरु करें ये स्टार्ट-अप...

अगर आप कारोबार करना चाहते हैं पर आपके पास बजट कम है तो आप स्टार्ट-अप से अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। इसमें निवेश भी कम करना होगा और आप अच्छा पैसा भी कमा सकते हैं। अगर आप इन बिजनेस में क्रिएटिव और मेहनत से काम करेंगे तो आप जल्द ही हर महीना लाखों रुपये कमा सकते हैं।

इवेंट मैनेजमैंट : आजकल इवेंट का काम बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। खास बात ये है कि इसमें आपको किसी खास डिग्री की आवश्यकता नहीं है और आप क्रिएटिव तरीके से काम करके इसमें पैसा कमा सकते हैं। इवेंट में आप वेडिंग, ऑफिशियल प्रोग्राम, पार्टी आदि की अरेजमेंट कर सकते हैं और इसमें आपको निवेश नहीं करना होता, सिर्फ इवेंट की व्यवस्था करनी होती है। आप अच्छे संपर्क बनाकर इसमें पैसे कमा सकते हैं।

ऑटो गैराज : आपको सुनकर भले ही ये अजीब लगे, लेकिन कई लोग इससे अच्छा पैसा कमा रहे हैं। यह गैराज किसी एक दुकान पर नहीं होगा, बल्कि यह डिमांड पर कहीं जाएगा। मतलब आजकल गाड़ियों की संख्या अधिक हो गई और बीच रास्ते में गाड़ी खराब हो जाने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में आप ऐसे लोगों की मदद कर पैसे कमा सकते हैं।

ड्राइविंग स्कूल : देश में कारों की बढ़ती संख्या को देखते हुए ड्राइविंग सीखने वालों की संख्या भी बड़ी है। ऐसे में ड्राइविंग स्कूल चलाना भी एक बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। इस काम को करने के लिए शुरुआती तौर पर आपके पास सिर्फ एक कार होना जरूरी है। जिससे आप दूसरों को ड्राइविंग सिखा सकें।

होम बेस्ड फूड सर्विस : घर से बाहर दूसरे शहरों में रह रहे लोगों के लिए घर का खाना एक सपने जैसा होता है। इसलिए आप इन शहरों में टिफिन आदि का कारोबार करके आप कम इनवेस्ट में अधिक पैसे कमा सकते हैं। इसकी पब्लिसिटी के लिए आप सोशल मीडिया या किसी ऐप का सहारा ले सकते हैं।

क्लिनिंग सर्विस : इस क्लिनिंग सर्विस में आप कपड़ों से लेकर घर,गाड़ी आदि तक का काम कर सकते हैं क्योंकि लोगों के पास काम की व्यस्तता की वजह से यह सब काम करने का वक्त नहीं होता है। ऐसे में आप उनके लिए ऑनलाइन रुप से ये काम करके अच्छे पैसे कमा सकते हैं। विदेशों और मेट्रो सिटी में कई लोग इस तरह से कमाई कर रहे हैं।

ट्रांसलेटर : यह एक फ्रीलांस काम की तरह है। इस काम को आप किसी बिजनेस या नौकरी के साथ भी कर सकते हैं। आप यह भाषाओं के लिए कर सकते हैं। आजकल कई क्षेत्रीय भाषाओं के लिए भी कई लोगों की मांग है।

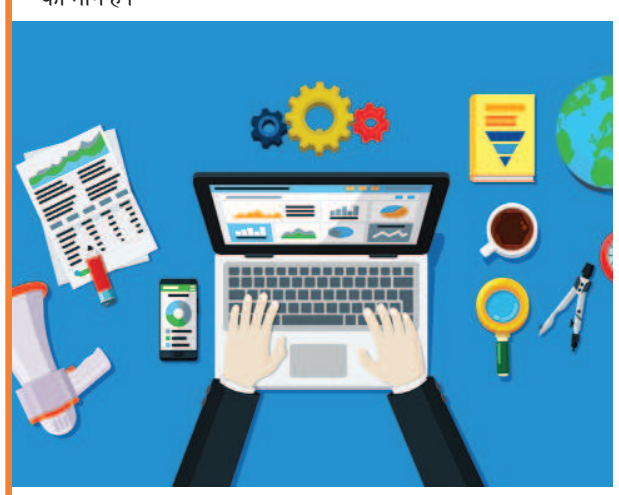

सोशल मीडिया कंसलटेंट : आज प्रचार करने का सबसे अच्छा साधन है सोशल मीडिया। हर कोई खुद के लिए या अपनी संस्था के लिए सोशल मीडिया का सहारा ले सकते हैं। ऐसे में आप सोशल मीडिया से संबंधित कोई कोर्स करके या इसके बारे में पढ़कर आप पैसे कमा सकते हैं। इसके लिए आपको कई लोगों के सोशल अकाउंट संभालने होंगे।

अब कृषि के क्षेत्र में तेजी से बढ़ रहे अवसर...

अब कृषि क्षेत्र भी तेजी से आगे बढ़ रहा है और इसमें भी रोजगार की संभावनाएं बढ़ गयी हैं। इस क्षेत्र में नई तकनीक के इस्तेमाल के बाद कमाई भी तेजी से बढ़ी है। इसलिए अब यह भी पसंदीदा क्षेत्र बनकर उभरा है। आधुनिकता के इस दौर में कृषि के प्रति युवाओं का ये लगाव किसी चमत्कार से कम नहीं है। अगर आप भी कृषि अनुसंधान के क्षेत्र से जुड़कर कृषि वैज्ञानिक या फिर एक बेहतर किसान बनना चाहते हैं तो फिर इसके लिए आपको 12वीं की परीक्षा अच्छे अंकों से पास कर बीएससी एग्रीकल्चर या फिर बीएससी एग्रीकल्चर ऑनर्स की डिग्री हांसिल करनी होगी। यह डिग्री एग्रीकल्चर, वेटनेरी साइंस, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग, फॉरेस्टरी, हॉर्टीकल्चर, फूड साइंस और होम साइंस में से किसी भी एक विषय में ले सकते हैं। अपनी पढ़ाई पूरी करके आप सीधे खेती और इससे संबंधित गतिविधियों से जुड़कर कृषि क्षेत्र में देश के विकास में अपना अहम योगदान दे सकते हैं।

कृषि क्षेत्र में करियर की संभावनाएं

आज भी भारत की करीब 70 फीसदी जनसंख्या जीविका के लिए पूरी तरह से कृषि पर निर्भर है। ऐसे में कृषि क्षेत्र में पढ़े लिखे किसानों की सख्त जरूरत है।कृषि क्षेत्र में आप मार्केटिंग, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग या मैनेजमेंट के क्षेत्र में अपना सुनहरा करियर बना सकते हैं। इसके अलावा आप नेशनेलाइज्ड बैंकों में बतौर कृषि विस्तार अधिकारी, ग्रामीण विकास अधिकारी, फील्ड ऑफिसर बनकर अपना शानदार करियर बना सकते हैं।इसके साथ ही राज्यों के विभिन्न कृषि विभागों में आपके लिए रोजगार की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। कृषि महाविद्यालयों में एडमिशन पाने के लिए युवाओं के बीच मची होड़ से इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है कि इन युवाओं के सिर पर कृषि क्षेत्र में करियर का जुनून किस कदर सवार है।

इन संस्थानों से हासिल कर सकते हैं डिग्री

अगर आप भी कृषि क्षेत्र में करियर तलाश रहे हैं तो इसके लिए बेहतरीन संस्थानों के बारे में जानकारी भी हासिल कर लें। आप हैदराबाद, पुणे, ग्वालियर, इंदौर और पालमपुर स्थित कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर से कृषि के क्षेत्र में प्रशिक्षण ले सकते हैं। कोलकाता और भुवनेश्वर के यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर से भी आप डिग्री हांसिल कर सकते हैं।

उदयपुर के राजस्थान एग्रीकल्चर युनिवर्सिटी में कृषि के क्षेत्र में प्रशिक्षण के साथ डिग्री भी पा सकते हैं।

इलाहाबाद स्थित इलाहाबाद एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट से प्रशिक्षण लेकर आप कृषि क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। अलीगढ़ विश्वविद्यालय के सेंटर ऑफ एग्रीकल्चर में दाखिला लेकर आप कृषि क्षेत्र की बारीकियों को समझ सकते हैं।

दैनिक वीर दृष्टि

रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली

7

छतरपुर, शुक्रवार
18 नवंबर 2022

खेलकूद से आपसी भाईचारा और सद्भाव बढ़ता हैः अजय सिंह राहुल

ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभाओं की कमी नहीं, ऐसे आयोजन सुनहरा अवसर प्रदान करते हैं

चुरहट विधानसभा अंतर्गत ग्राम खड्डी में खड्डी प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न

सीधी- चुरहट विधानसभा अंतर्गत ग्राम खड्डी में आयोजित खड्डी प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल के मुख्य आतिथ्य जिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्ञान सिंह की अध्यक्षता प्रदेश उपाध्यक्ष लालचंद गुप्ता पूर्व अध्यक्ष रुद्र प्रताप सिंह बाबा भारत जोड़ो यात्रा के जिला समन्वयक राजेंद्र सिंह भदौरिया जिला कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनोद वर्मा के विशेष आतिथ्य में संपन्न हुआ। विजेता उपविजेता टीम सहित सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल ने पुरस्कृत किया आयोजन के अवसर पर अपना उद्बोधन देते हुए अजय सिंह राहुल ने कहा कि सुदूर खड्डी अंचल ग्रामीण

क्षेत्र में भव्य क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन होना गौरव की बात है खेलकूद से आपसी सद्भाव और भाईचारा बना रहता है स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से भी खेलकूद बहुत महत्वपूर्ण है और ऐसे आयोजनों को बढ़ावा देना चाहिए, इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का सुनहरा अवसर प्राप्त होता है ऐसे आयोजन होते रहने चाहिए,कम संसाधनों में आयोजकों द्वारा बेहतरीन आयोजन किया गया, आने वाले समय में भी आयोजन की निरंतरता बनी रहे यह आवश्यक है मेरे जहां जैसा भी सहयोग की आवश्यकता होगी मैं हरदम तत्पर रहूंगा भव्य आयोजन के लिए आयोजको को बधाई और शुभकामनाएं देता हूं साथ ही सभी खिलाड़ियों को भी भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं हैं। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ज्ञान सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि ग्रामीण स्तर पर कम संसाधनों में इस प्रकार के बड़े आयोजन के लिए आयोजकों को बहुत-बहुत साधुवाद देता हूं ऐसे आयोजनों से लोगों में आपसी भाईचारा बढ़ता है। बृहद क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजन के समापन अवसर पर फाइनल मैच मोहनी फाइटर्स और हार्ड हीटर खड्डी के बीच खेला गया जिसमें मोहनी फाइटर्स की टीम विजेता रही। खड्डी प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के आयोजन में धीरू सिंह मौरा, अमित द्विवेदी काका, सतेन्द्र सिंह, दिलीप सोनी, नवीन सिंह, शिवपूजन विश्वकर्मा, प्रकाश तिवारी, राहुल सिंह, सुमित सिंह सहित दो दर्जन से अधिक युवाओं की भूमिका इस वृहद टूर्नामेंट को सफल बनाने में रही।

बरचर आश्रम हेलीकाप्टर से पहुंचे स्वामी अडगडानंद जी महराज, दर्शन करने पहुंचे श्रद्धालु

सीधी। जिले से 60 किलो मीटर दूर सीधी-कुसमी मार्ग पर सुप्रसिद्ध धार्मिक स्थल परमहंस आश्रम बरचर में परम पूज्य स्वामी अड़गड़ानंद जी महाराज बुधवार को 2 बजे बरचर आश्रम पहुँचे। हेलीपैड रामपुर स्थल में सुबह से ही जिले के साथ आसपास के गाँव के भक्तगण स्वामी महाराज जी के इंतजार में पहुँचे थे। जैसे ही स्वामी जी भक्तों के बीच पहुँचे भक्तों ने सदुरुदेव भगवान की जय के जोरदार जयकारे लगाए जिससे पूरा वातावरण भक्तमय बन गया। कुछ पलों तक तो साधू संतो एवं भक्तों द्वारा स्वामी जी के दर्शन के लिए लाइन सी लग गई। वहीं बरचर आश्रम के संतों द्वारा पूज्य स्वामी जी की अगवानी की गई। इस दौरान सुरक्षा की दृष्टि से कुसमी थाना प्रभारी आरबी सिंह ,भुईमाड़ थाना प्रभारी आकाश सिंह राजपूत अपने स्टाफ के साथ मौजूद रहे। भक्त के रूप में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अभ्युदय सिंह मड़वास स्वयं गाड़ी चलाकर महाराज जी को हैलीपैड से आश्रम तक लायें। हजारो भक्त गण स्वामी जी के दर्शन खातिर हेलीपैड पहुँचे हुए थे।महाराज जी के स्वागत मे हेलीपैड से आश्रम तक फूल बिछाये गये थे एवं आश्रम को फूलों से सजाया गया था, जो देखते ही बन रहा है। स्वामी जी के बरचर आते ही भक्तों में खुशी का माहौल है जहां भक्तों को महाराज जी के दर्शन के साथ महाराज जी के मुखारबिंद से प्रवचन का रसपान और प्रसाद भी भक्तों को मिलेगा।

अवैध संबंध के कारण संखलाल खैरवार की हुई थी हत्या

सिधार के जंगल में मिले शव का मोरवा पुलिस ने किया खुलासा, हत्या में शामिल तीनो आरोपी गिरफ्तार

सिंगरौली। 16 नवंबर को ग्राम सिधार के जंगल में मिले शव का खुलासा करते हुए मोरवा थाना प्रभारी यूपी सिंह ने हत्या में शामिल तीनो आरोपियों को 24 घंटे के अन्दर गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया। बताया गया है कि अवैध संबंध के कारण संखलाल खैरवार की हत्या कर दी गई थी। एक सप्ताह से गायब संखलाल खैरवार का शव बुधवार को सिंधार के जंगल में मिलने पर पुलिस अधीक्षक वीरेन्द्र कुमार सिह के दिशा निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा के एवं एसडीओपी राजीव पाठक के मार्ग दर्शन में मोरवा थाना प्रभारी यूपी सिंह दलबल के साथ मौके के मुआयना कर संदेही रामकुमार उर्फ अन्ने

पनिका निवासी सिधार तेन्दुहवा टोला की पता तलाश ग्राम सिधार एवं आस पास के जंगल में की गई। विवेचना के दौरान मुखविर से सूचना प्राप्त हुई कि तेन्दुहवा टोला सिधार का रामकुमार उर्फ अन्ने उसके साथ हरिमंगल उर्फ मगरू पनिका और रामकृत उर्फ रामप्रीत के साथ जंगल तरफ एकांत मैं जा रहे थे की सूचना पर सवाल सिहं खैरवार पिता तेजू प्रसाद साकेत की मदद से घेराबंदी कर पकड़कर अभिरक्षा में लेकर घटना के संबंध में पूछताछ किया जो जुर्म स्वीकार किया। जिन्हें अभिरक्षा में लेकर प्राथमिक स्कूल तेन्दुहवा टोला में साक्षी सवाल सिंह पिता चतुर्गुण खैरवार उम्र 32 वर्ष निवासी सिधार तेन्दुहवा टोला थाना मोरवा एवं तेजू प्रसाद साकेत पिता लालजी साकेत उम्र 37 वर्ष निवासी सिधारी थाना मोरवा जिला सिंगरौली के समक्ष संदेही राम कुमार उर्फ अन्ले पनिका पिता रघुराई पनिका उम्र 40 वर्ष निवासी सिधार सेन्दुवा टोला थाना मोरवा ने बताया कि उसका विवाह कौशिल्या के साथ हुआ था। दो- तीन साल से उसकी पत्नी नाराज होकर अपने मायके रहने लगी थी तथा संखलाल के साथ लुक छिपकर मिलकर गलत काम करती थी उसी बजह से उसे छोड़ रखी थी तथा संखलाल से मिलती जुलती थी जिसकी पूर्व में पंचायत बैठाकर समझौता किया था फिर भी संखलाल उसकी पत्नी कौशिल्या से अवैध संबंध रखता था। 11 नवंबर की रात्रि में वह अपनी खलिहान के पास गया उसी समय नर्सरी तरफ से बच्चे के रोने की आवाज आ रही थी। तब अपने खलिहान से अपने साढू भाई रामकृत पनिका के घर गया वहां पर साढू भाई व हरिमंगल मिले उनको बताया कि नर्सरी तरफ किसी बच्चे की रोने की आवाज आ रही है चलो देखते है। तब तीनों टार्च लेकर टेउना पहाड़ी के पास गये टार्च जलाकर देखा तो संखलाल खैरवार उसकी पत्नी कौशिल्या के साथ लेटा था वही पर उसका बच्चा भी था। टार्च की रोशनी देखकर पत्नी बच्चे को लेकर चली गई। संखलाल के पास पहुंचा तो संखलाल पत्थर उठाने लगा उसी समय हाथ में लिये बांस का डंडा संखलाल को जान से मारने के लिये उसके दाहिने तरफ कनपटी के पास मारा ।उसका सर फट गया खून निकलने तब संखलाल के ऊपर डंडे से गले में दवा दिया जिससे संखलाल की मृत्यु हो गई। तब तीनों लोग मिलकर संखलाल की लाश को ध्रुवहापार जङ्गाटोला जंगल में फेंक कर अपने अपने घर चले गये। पुलिस ने हत्या में शामिल तीनो आरोपी को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से मारपीट करने वाले डंडा को बरामद कर लिया है।

अवैध रेत लोड ट्रेक्टर ने बाइक सवार को रौंदा, मौके पर मौत

सिंगरौली। कोतवाली क्षेत्र के मयार नदी ब्रिज के पास बुधवार रात 11 बजे हुये एक सड़क हादसे मे मिश्रा पॉली क्लिनिक एवं नर्सिंग होम के कर्मचारी की दर्दनाक मौत हो गयी। परिजनों ने बताया कि अवैध रेत तस्करी में संलिप्त बेलगाम ट्रैक्टर ने मोटरसाइकिल को सीधी टक्कर मारकर रौंद दिया। वीभत्स हादसे में मिश्रा पॉली क्लिनिक एवं नर्सिंग होम के कर्मचारी की दर्दनाक मौत हो गई। प्राप्त सूचना मिलने के बाद मिश्रा पॉली क्लिनिक के संचालक डा. डीके मिश्रा सहित ननि के पूर्व अध्यक्ष चंद्रप्रताप विश्वकर्मा, कांग्रेस प्रदेश सचिव अमित द्विवेदी, आप प्रदेश यूथ अध्यक्ष संदीप शाह व शिवसेना नेता भास्कर मिश्रा सहित परिजन व भारी संख्या में स्थानीयजन पीड़ित को उचित न्याय दिलाने धरने पर बैठ गए। जबकि जानकारी मिलने पर महापौर रानी अग्रवाल भी घटना स्थल पर पहुंच पीड़ित परिवार को न्याय मिलने की मांग का समर्थन किया। स्थानीय नेताओं तथा मृतक के परिजनों ने उचित मुआवजे तथा नौकरी की मांग को लेकर वैढ़न बीजपुर मार्ग घंटों बाधित किया। काफी देर बाद प्रशासन के समझाईस के बाद जाम खुलावाया जा सका। गौरतलब हो कि मृतक नीरज द्विवेदी पुत्र बलिराम द्विवेदी उम्र लगभग 26 वर्ष निवासी टूसा खांड कोतवाली वैढन बीती रात मिश्रा पॉली क्लीनिक एवम नर्सिंग होम में ड्यूटी करने के उपरांत अपनी मोटरसाइकिल से घर जा रहे थे कि जैसे ही सासन स्थित मयार नदी ब्रिज के पास पहुंचते हैं की विपरित दिशा से रेत की चोरी कर तेज रफ्तार से आ रहे बेलगाम ट्रैक्टर के चालक ने मोटरसाइकिल को सामने से टक्कर मारकर रौंद दिया। हादसे में नीरज की दर्दनाक मौत हो गई।

2 साल पहले हुई थी शादी

नीरज दुबे की 2 साल पहले ही शादी हुई थी। वह अपने मां-बाप का इकलौता बेटा था। नीरज के 9 महीने का एक बच्चा भी है। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने प्रशासन के सामने मृतक की पत्नी को सरकारी अस्पताल में नौकरी व राहत राशि 1 लाख रुपए देने की मांग की। परिजनों की मांग पर प्रशासन ने नीरज की पत्नी को नौकरी देने और एक लाख रुपए सहायता देने का आश्वासन दिया। उसके बाद दोपहर करीब साढ़े तीन बजे परिजनों ने जाम को खोल दिया।

अवैध रेत खनन और माफियाओं को संरक्षण देने का आरोप

नीरज के परिजनों और क्षेत्र के लोगों ने पुलिस पर अवैध रेत खनन कराने और रेत माफियाओं का साथ देने के आरोप लगाए। स्थानीय लोगों के मुताबिक कोतवाली पुलिस क्षेत्र में अवैध रेत का कारोबार करवा रही है। रोजाना सैकड़ों ट्रैक्टरों से रेत का अवैध परिवहन हो रहा है। अवैध रेत परिवहन करने वालों के हौसले इतने बुलंद हैं कि बीते दिनों बलियरी में जांच के दौरान खनिज विभाग के एक इंस्पेक्टर के वाहन को धक्का मारके ट्रैक्टर चालक फरार हो गया था। परिजनों के आरोपों पर सिंगरौली एसपी बीरेंद्र सिंह ने कहा कि पुलिस पर रेत माफियाओं से अवैध वसूली का आरोप परिजनों ने लगाया है। जांच की जाएगी, सत्यता पाई जाती है तो संबंधित पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर ने रात में सार्वजनिक स्थलों का किया निरीक्षण

सीधी। कलेक्टर साकेत मालवीय द्वारा बुधवार की रात शहर में रहने वाले जरूरतमंद लोगों व बाहर से आने वाले यात्रियों को ठंड से राहत प्रदान करने हेतु रैन बसेरों, बस स्टैण्ड, अस्पताल व अन्य सार्वजनिक स्थलों का आकस्मिक निरीक्षण कर आगामी दिनों में अलाव व्यवस्था करने के लिए नगर पालिका अधिकारी को निर्देशित किया गया। साथ ही उन्होंने कहा कि शहर में साफ सफाई नियमित रूप से हो ये सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शहर में जो भी पार्क है उसमें नियमित रूप से साफ सफाई, पौधों की कटाई समय-समय पर होती रहे।इस अवसर पर एसडीएम गोपद बनास नीलेश शर्मा, तहसीलदार दीपेन्द्र तिवारी सहित नगरपालिका के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

भीषण सड़क हादसे में एयर बैग ने बचाई 4 की जान, दुर्घटना में कार हुई चकनाचूर

सीधी। सिटी कोतवाली थाना अंतर्गत सीधी- सिंगरौली मार्ग में डैनिहा के पास शांति ट्रेडर्स के सामने भीषण सडक हादसा हो गया। यहां तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने कार को पीछे से ठोकर मार दी जिसकी वजह से 4 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मिली जानकारी के अनुसार सीधी से सिंगरौली की ओर जा रही आई 20 कार क्रमांक एमपी 53 सीए 5079 में सवार होकर 4 लोग जा रहे थे। तभी अचानक पीछे से तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने कार को टक्कर मार दी। जिसकी वजह से कार कई बार राउंडिंग होकर बगल में रखे गए ईंट के भण्डार से टकरा गई। इस दौरान एयर बैग खुलने से कार में सवार 4 लोगों की जान तो बच गई परंतु उन्हें गंभीर चोटें आई है जहां

उन्हें जिला चिकित्सालय सीधी में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है जहां पर उनका उपचार जारी। कार में सवार मनीष सिंह पिता राजेश्वर सिंह उम्र 35 वर्ष निवासी सीधी, उपेंद्र सिंह पिता जिलेदार सिंह उम्र 32 वर्ष निवासी सीधी, संतोष सिंह पिता जिलेदार सिंह उम्र 33 वर्ष निवासी सीधी, पंकज गौतम पिता राजेंद्र गौतम उम्र 35 वर्ष निवासी सीधी घायल हुए जिन्हें जिला चिकित्सालय सीधी में इलाज के लिए ले जाया गया।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नें एनटीपीसी रिहंद द्वारा लगाई गयी प्रदर्शनी का किया दौरा

बीजपुर। आज़ादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश नें सोनभद्र जिला स्थित सेवा समर्पण संस्थान, चपकी का किया दौरा। आज पूरे देश में श्रद्धा और सम्मान के साथ भगवान बिरसा मुंडा कीजन्म जयंती मनायी गयी जो भारत की आदिवासी परंपरा के गौरवगान का दिन है इसी कड़ी में मुख्य मंत्री श्री योगी अदित्यनाथ ने15 नवंबर को जनजाती गौरव दिवस के रूप में भगवान बिरसा मुंडा जी की मूर्ति का अनावरण, सेवा समर्पण संस्थान,सेवा कुंज, चपकी में किया। सेवा समर्पण संस्थान में उत्तर प्रदेश और पड़ोसी राज्यों के आदिवासी बच्चों को आवासीय मॉडल पर शिक्षा प्रदान किया जाता है। इस प्रांगण में विभिन्न स्टाल लगाए

गए जिसमें एनटीपीसी रिहंद द्वारा प्रदर्शनी भी लगाई गयी, जिसके द्वारा एनटीपीसी रिहंद ने अपने गौरवशाली 39 साल की झलकियाँ दिखाई । इसके साथ ही सीएसआर के अंतर्गत किए गए विभिन्न कार्यों को भी दर्शाया गया। सेवा समर्पण संस्थान, सेवा कुंज में एनटीपीसी रिहंद द्वारा लगभग 11 करोड़ रुपए की लागत से भवन निर्मित किए गए हैं, जिसमें 18 क्लासरूम का स्कूल और 24 कमरों के छात्रावास की सुविधा है। सभी लोगों द्वारा एनटीपीसी, रिहंद के इस कल्याणकारी कार्य को सराहा गया । इसके साथ ही एनटीपीसी रिहंद द्वारा अतिरिक्त कमरों का निर्माण भी किया जा रहा है। एनटीपीसी रिहंद ने निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उक्त भवनों के लिए 40 किलोवाट केडब्ल्यू का सोलर पावर सिस्टम भी स्थापित किया है। इसके अलावा, एनटीपीसी रिहंद द्वारा अपनी सीएसआर पहल के तहत स्कूल के लिए अतिरिक्त कमरों का निर्माण भी किया जा रहा है। इस पहल के माध्यम से, संस्थान का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है, जिसमें तीरंदाजी आदि जैसे आदिवासी खेल भी शामिल हैं।

अभियान चलाकर करें लंबित राजस्व प्रकरणों का निराकरणः साकेत मालवीय

राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित

सीधी। कलेक्टर साकेत मालवीय द्वारा राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में राजस्व प्रकरणों के निराकरण की राजस्व न्यायालय वार विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर द्वारा समस्त राजस्व अधिकारियों को अभियान चलाकर लंबित राजस्व प्रकरणों के निराकरण में गति लाने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक माह दर्ज होने वाले नवीन प्रकरणों से अधिक प्रकरणों के निराकरण के प्रयास किए जाएं। इसके लिए आवश्यकतानुसार ग्रामवार राजस्व कैम्प लगाए जाएं, प्रकरणों की दिन-प्रतिदिन आधार पर सुनवाई की जाए तथा पटवारी एवं राजस्व निरीक्षकों से निर्धारित समय में प्रतिवेदन प्राप्त किए जाएं। कलेक्टर मालवीय ने कहा कि राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए विभिन्न प्रकरणों की समय-सीमा निर्धारित की गई है। इस समय-सीमा का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। कलेक्टर द्वारा अविवादित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन आदि के प्रकरणों का निराकरण निर्धारित समय सीमा में करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने 6 माह से अधिक लंबित प्रकरणों को अभियान चलाकर निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर द्वारा सभी राजस्व अधिकारियों को न्यायालयों के रिकार्ड दुरूस्त रखने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री मालवीय ने राजस्व विभाग से संबंधित आवेदनों के शत प्रतिशत निराकरण के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि सभी आवेदनों का परीक्षण कर लें तथा निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए सभी आवेदनों को निराकृत कराएं। बैठक में सीएम हेल्पलाइन के निराकरण, भू-राजस्व वसूली, मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार योजना, स्वामित्व योजना अंतर्गत आबादी सर्वे, प्रधानमंत्री किसान योजना, मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना आदि के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री मालवीय द्वारा हितग्राही मूलक योजनाओं का क्रियान्वयन पूरी पारदर्शिता के साथ करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने कहा कि उक्त योजनाओं के सभी पात्र हितग्राहियों को सहजता से योजनाओं का लाभ मिले। योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की उदासीनता या लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। इसके साथ ही कलेक्टर द्वारा भू-अर्जन संबंधी समस्त कार्यवाहियां प्राथमिकता से निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

मतदाता सूची पुनरीक्षण के कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश

कलेक्टर ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची पुनरीक्षण के कार्य जारी समय सारिणी अनुसार किए जाने हैं। अभियान चलाकर 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके नवीन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में दर्ज कराएं जाए। इसके साथ ही जेंडर रेशियो को ध्यान में रखते हुए महिला मतदाताओं के नाम जोड़ने हेतु अधिकतम प्रयास किए जाएं। कलेक्टर ने उक्त के संबंध में जनजागरूकता अभियान चलाने के भी निर्देश दिए हैं। बैठक में अपर कलेक्टर बी.के. पाण्डेय, उपखण्ड अधिकारी मझौली सुरेश अग्रवाल, सिहावल नीलांबर मिश्रा, गोपद बनास नीलेश शर्मा सहित समस्त तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार उपस्थित रहें।

स्व. इंद्रजीत कुमार की पुण्यतिथि पर आज जवाहर कांग्रेस भवन में विचारगोष्ठी का आयोजन

सीधी। मानस सेवा से पुरस्कृत मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री स्वर्गीय इंद्रजीत कुमार जी की पुण्य तिथि 18 नवंबर पर आज उनके गृह ग्राम सुपेला में समाधि स्थल पर पुष्पांजलि का कार्यक्रम प्रातः 9 बजे से संध्या 4 तक आयोजित होगा। साथ ही उनकी स्मृति में भजन का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया है जिसमे परमहंस श्री तुलसीदास जी महाराज औरा बरुआ की अमृतमयी कथा और भजन का प्रवचन होगा। दिग्गज नेता स्वर्गीय इंद्रजीत कुमार के चाहने वाले वहां पहुंचकर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करेंगे।जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जवाहर कांग्रेस भवन में दिनांक 18 नवंबर को दिन 11 बजे श्रद्धांजलि सभा एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया है। उक्त जानकारी देते हुए जिला प्रवक्ता पंकज सिंह ने बताया कि जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ज्ञान सिंह ने अपील करते हुए कहा है कि जिले में निवासरत समस्त प्रदेश पदाधिकारी, पूर्व अध्यक्ष, वरिष्ठ नेतागण,जिला कांग्रेस पदाधिकारी, समस्त निकायों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पूर्व अध्यक्ष, पूर्व उपाध्यक्ष, समस्त पार्षद,जिला पंचायत उपाध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्य, जनपद पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पूर्व अध्यक्ष पूर्व उपाध्यक्ष, जनपद सदस्य,कांग्रेस समर्थित समस्त सरपंच, पंच, ब्लॉक, मंडलम, सेक्टर के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी, युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस आईटी सेल सेवादल सहित सभी सहयोगी संगठन एवं प्रकोष्ठ के अध्यक्षों एवं पदाधिकारियों सहित समस्त कांग्रेसजन अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

दैनिक वीर दृष्टि

शहडोल-अनूपपुर-कोतमा

8

छतरपुर, शुक्रवार
18 नवंबर 2022

तेजी से बढ़ेगी मध्यप्रदेश की विकास यात्रा: राष्ट्रपति

स्वच्छता क्षेत्र की मध्यप्रदेश की उपलब्धियाँ अनुकरणीय

भोपाल। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि मध्यप्रदेश ने विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति के अनेक आयाम प्राप्त किये हैं। मध्यप्रदेश की विकास यात्रा तेज गति से आगे बढ़ेगी और सभी वर्गों तक विकास पहुँचेगा। मध्यप्रदेश का अनेक क्षेत्रों में अमूल्य योगदान है। खाद्यान उत्पादन में मध्यप्रदेश आगे है। कृषि क्षेत्र में उत्पादन सहित अन्य कार्यों में चार वर्ष में मध्यप्रदेश ने महत्वपूर्ण वृद्धि और प्रगति प्राप्त की है। इसके लिए मध्यप्रदेश बधाई का पात्र है। स्वच्छता के क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने स्वच्छतम राज्य और इन्दौर नगर ने छठवीं बार स्वच्छतम शहर का पुरस्कार प्राप्त किया है। यह सराहनीय है और इन उपलब्धियों के लिए मध्यप्रदेश के नागरिक प्रशंसा के पात्र हैं। देश के अन्य प्रान्तों के लिए भी यह उपलब्धि अनुकरणीय है। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु आज राजभवन भोपाल में अपने नागरिक सम्मान और दो परियोजनाओं के शिलान्यास समारोह को सम्बोधित कर रही थी।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि मध्यप्रदेश नर्मदा जल से सिंचित है। प्रदेश को प्रकृति का वरदान प्राप्त है। देश में सबसे बड़ा वन क्षेत्र है। अनेक राष्ट्रीय उद्यान और अभयारण्य भी हैं। कूनो में नामीबिया से चीते लाए गए हैं, जो लुप्त हो गए थे। रानी दुर्गावती, झलकारी बाई की गौरव गाथाएँ सुनी जाती हैं। अहिल्या बाई होल्कर ने काशी के मंदिर का उद्धार करवाया। मध्यप्रदेश सरकार ने भोपाल में रानी कमलापति के सम्मान में कदम उठाए हैं। रेलवे स्टेशन का नामकरण भी उनके योगदान को याद करने के लिए किया गया है। मध्यप्रदेश में डॉ. अम्बेडकर, डॉ. शंकरदयाल शर्मा और श्री अटल जी जैसी विभूतियाँ जन्मीं और प्रदेश से आजीवन जुड़ी रहीं। प्रदेश में अनुपम प्राकृतिक सौन्दर्य है। कालिदास, तानसेन, उस्ताद अलाउद्दीन खाँ के साथ ही अन्य अनेक व्यक्तित्व मध्यप्रदेश की पहचान हैं। उज्जैन में सिंहस्थ होता है। ग्वालियर, मैहर, खजुराहो में उत्सव होते हैं। भेड़ाघाट, शिवपुरी और बेतवा के उत्सव, अमरकंटक और चित्रकूट सहित तीन विश्व धरोहर स्थल यहाँ हैं। भीमबेठका, साँची और खजुराहो को यूनेस्को ने यह दर्जा दिया है। राष्ट्रपति श्रीमति मुर्मु ने मध्यप्रदेश वासियों को उपलब्धियों के लिए बधाई देते हुए सभी प्रदेशवासियों के विकास की कामना की।

सर्वोच्च संवैधानिक पद पर पहुँचकर जनजातीय समुदाय का बढ़ाया गौरव: राज्यपाल: राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का प्रदेश में प्रथम आगमन पर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि साधारण पृष्ठभूमि से निकल कर संघर्षों एवं कर्मठता के बल-बूते पर राष्ट्र के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर पहुँचकर, श्रीमती मुर्मु ने जनजातीय समुदाय का गौरव बढ़ाया है। सम्पूर्ण देश धन्य हुआ है। जन मानस को नया विश्वास और प्रेरणा मिली है।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि श्रीमती मुर्मु ने गाँव से कॉलेज जाने वाली पहली बालिका से शुरू कर जनजातीय बहुल राज्य की पहली जनजातीय महिला राज्यपाल और देश की पहली महिला जनजातीय राष्ट्रपति होने का गौरव प्राप्त कर देश में विश्वास और प्रेरणा का नया वातावरण निर्मित किया है। उन्होंने कहा कि सामाजिक जीवन में श्रीमती मुर्मु द्वारा किए गए जनजातीय समाज के उत्थान, विशेष कर शिक्षा के क्षेत्र में, प्रयासों की विशिष्ट पहचान है। जन-सेवा, जन-कल्याण और समाज के वंचित वर्गों की मजबूती के लिए किए गए उनके प्रयास प्रेरणादायी हैं।राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि संविधान की गरिमा को मजबूत बनाने तथा राज्यपाल के रूप में विश्वविद्यालयों की परीक्षा और भर्ती प्रक्रिया में उनके द्वारा किए गए सुधारों ने शिक्षा की गुणवत्ता और उन्नयन के प्रयासों को नया आयाम दिया है। उनका अनुभव, विनम्रता और संवेदनशीलता सदैव हम सबके लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। श्री पटेल ने राष्ट्रपति द्वारा सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय की परियोजनाओं के शिलान्यास की सौगात के लिए आभार ज्ञापित किया।

जीवन की कठिन परिस्थितियों में भी स्थित प्रज्ञ व्यक्तित्व:मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु का स्वागत करते हुए कहा कि मन प्रसन्नता से भरा हुआ है। श्रीमती मुर्मु जी का शहडोल में भी भावभीना स्वागत हुआ। उनका जीवन प्रेरक है। उन्होंने जीवन की कठिन परिस्थितियों में विचलित हुए बिना स्थित प्रज्ञ रहकर लिपिक के पद से पार्षद, विधायक, मंत्री, राज्यपाल आदि बनते हुए देश के सर्वोच्च राष्ट्रपति पद तक पहुँचने में सफलता प्राप्त की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अटल जी की पंक्तियों को श्रीमती मुर्मु के जीवन में देखा जा सकता है ÷हार नहीं मानूंगी रार नहीं ठानूगी, काल के कपाल पे लिखती, मिटाती हूँ, गीत नया गाती हूँ÷ काव्य पंक्तियाँ उनके जीवन का मंत्र है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि श्रीमती मुर्मु प्रगति के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ी हैं और गरीबों के प्रति प्रतिबद्ध हैं। इसी प्रतिबद्धता ने जनता के हृदय में उनके लिए सम्मानजनक स्थान बनाया।

नागरिक सम्मान कार्यक्रम में राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु को राज्यपाल श्री पटेल ने साँची स्तूप की प्रतिकृति और मुख्यमंत्री श्री चौहान ने अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मध्यप्रदेश की जनजातीय संपदा पर केन्द्रित पुस्तक भी राष्ट्रपति को भेंट की। विधानसभा अध्यक्ष श्री गिरीश गौतम, भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय, पद्मश्री श्रीमती भूरी बाई, समाज सेवी श्री

सेवा करना ही मेरा उद्देश्य : तोमर

सिविल अस्पताल हजीरा में लागये गए नि:शुल्क नेत्र शिविर में दूसरे दिन 63 पंजीयन हुए

भोपाल। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने नेत्र शिविर के दूसरे दिन सिविल अस्पताल हजीरा में भ्रमण कर मरीजों से कहा कि सेवा करना ही मेरा उद्देश्य रहा है। अंतिम साँस तक दीन- दुखियों की सेवा करता रहूँगा। नेत्र शिविर में पूरी रात जाग कर जन-सेवा का कार्य किया है। उससे मन काफी प्रफुल्लित है। मैंने भी अपने सहयोगियों से अनुरोध किया है कि बारी-बारी से सभी लोग रात-दिन रूक कर मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराने आए मरीजों का माता-पिता की तरह ख्याल रखें। उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। सभी मरीजों के लिए चाय पानी, नास्ता और खाना की व्यवस्था की गई है। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने मंगलवार को अस्पताल में मरीजों से मिल कर उनका हालचाल जाना। एक बुजुर्ग माताजी के पैर दबा कर उनसे कहा कि आपकी आँखों का नि:शुल्क ऑपरेशन किया जा रहा है। ऑपरेशन के बाद आपको फिर से वैसे ही दिखने लगेगा जैसे पहले दिखता था। आप मन में किसी भी प्रकार की कोई शंका न रखें। उन्होंने सम्बंधित डॉक्टर्स को निर्देशित किया कि ऑपरेशन में उपयोग होने वाले किसी भी सामान की कमी नहीं रहे। समय रहते सभी व्यवस्थाएँ पूर्ण कर ली जाएँ। प्रतिदिन पंजीयन कर सभी जाँच करें और उनका सफल ऑपरेशन किया जाए। इस मोतियाबिंद के नि:शुल्क ऑपरेशन के लिये शिविर 24 नवम्बर तक चलेगा।

राज्य उपभोक्ता आयोग हाइब्रिड मोड में सुनवाई करेगा

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य उपभोक्ता आयोग में बहुत बड़ी संख्या में मामले लंबित पड़े हुए हैं। मध्यप्रदेश के भोपाल, धार, खंडवा और मंदसौर के जिला उपभोक्ता आयोग में अध्यक्ष के पद खाली पड़े हैं। मार्च 2023 तक 11 अध्यक्षों के पद और रिक्त हो जाएंगे। 42 सदस्यों की नियुक्ति लंबे समय से प्रदेश सरकार के पास लंबित हैं।मध्यप्रदेश में 48715 उपभोक्ताओं की शिकायत के मामले कई वर्षों से लंबित हैं। उपभोक्ताओं को न्याय के लिए लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता है। सबसे ज्यादा 5489 मामले जबलपुर में, उसके बाद 3613 मामले इंदौर में, 3313 मामले भोपाल में, 1594 मामले उज्जैन में, और गुना में 1548 मामले लंबित हैं।इस स्थिति को देखते हुए राज्य उपभोक्ता आयोग ने अब हाइब्रिड मोड पर सुनवाई करने का निर्णय लिया है। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 की धारा 38(6) के अनुसार वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई किए जाने का प्रावधान है। अभी तक प्रदेश में यह सुविधा नहीं थी।

कार्बन एमिशन को कम करने के लिए फौरन उठाने होंगे कदम:अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी

भोपाल। जलवायु परिवर्तन से गंभीर प्रभावों से बचने के लिए दुनिया को कोयले के जलने से होने वाले कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को कम करने के लिए तेजी से आगे आना चाहिए। ऐसा कुछ करने के लिए ज़रूरी है कि कोयले के स्वच्छ ऊर्जा विकल्पों के लिए बड़े पैमाने पर वित्तपोषण को तेजी से बढ़ाया जाए और तत्काल नीति कार्रवाई सुनिश्चित कि जाए। यह बातें मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) की एक नई रिपोर्ट में सामने आई हैं। इस रिपोर्ट का शीर्षक है कोल इन नेट ज़ीरो ट्रांज़िशन्स-स्ट्रेटेजीज फॉर रैपिड, सिक्युर, एंड पीपल सेंटेरड चेंज। बात अगर कि जाए कि वैश्विक कोयला उत्सर्जन को तेजी से कम करने के लिए क्या करना होगा, तो यह रिपोर्ट अब तक का सबसे व्यापक विश्लेषण प्रदान करती है और बताती है, कि ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास का समर्थन करते हुए और शामिल किए गए परिवर्तनों के सामाजिक और रोजगार परिणामों को संबोधित करते हुए अंतर्राष्ट्रीय जलवायु लक्ष्यों को कैसे पूरा करें। इसमें 2050 तक नेट ज़ीरो एमिशन कि स्थिति में पहुँचने पर कोयला क्षेत्र के लिए प्रमुख निहितार्थ शामिल हैं। यह रिपोर्ट, जो कि वर्ल्ड एनेर्जी आउटलुक श्रृंखला का हिस्सा है, बताती है कि वर्तमान वैश्विक कोयले की खपत का भारी बहुमत उन देशों में होता है जिन्होंने नेट ज़ीरो एमिशन हासिल करने का संकल्प लिया है। ध्यान रहे कि वैश्विक कोयले की मांग घटने के बजाय पिछले एक दशक से रिकॉर्ड ऊंचाई पर स्थिर रही है। अगर कुछ नहीं किया जाता है, तो मौजूदा कोयले की संपत्ति से होने वाले एमिशन से अपने आप ही दुनिया को 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा से पार कर जाएगा।आईईए के कार्यकारी निदेशक फतिह बिरोल ने इस संदर्भ में कहा, ÷दुनिया की 95 प्रतिशत से अधिक कोयले की खपत उन देशों में हो रही है, जो अपने उत्सर्जन को नेट ज़ीरो तक कम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। लेकिन जब मौजूदा ऊर्जा संकट के लिए कई सरकारों की नीतिगत प्रतिक्रियाओं में स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार की दिशा में उत्साहजनक गति है, तो एक बड़ी अनसुलझी समस्या यह है कि दुनिया भर में मौजूदा कोयला संपत्ति की भारी मात्रा से कैसे निपटा जाए। बिरोल ने आगे कहा, कोयला ऊर्जा से कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन का सबसे बड़ा स्रोत है और दुनिया भर में बिजली उत्पादन का सबसे बड़ा स्रोत है, जो हमारे जलवायु को होने वाले नुकसान और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए इसे तेजी से बदलने की बड़ी चुनौती को उजागर करता है। हमारी नई रिपोर्ट इस महत्वपूर्ण चुनौती को किफायती और निष्पक्ष रूप से दूर करने के लिए सरकारों के लिए व्यवहार्य विकल्पों को प्रस्तुत करती है।

जावद एवं सिंगोली में अग्मेन्टेड रियलिटी और वर्चुअल रियलिटी कार्यशाला हुई

अग्मेन्टेड एवं वर्चुअल रियलिटी तकनीक से पढ़ाई करेंगे सरकारी स्कूलों के विद्यार्थी : सखलेचा

भोपाल। टेक्नालॉजी से आज दुनिया बहुत छोटी हो गई है। हमारा प्रयास है कि जावद क्षेत्र के सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को वे सारी तकनीकी सुविधाएँ मिलें, जो किसी अन्य देश के विद्यार्थियों को उपलब्ध हो रही है। जावद क्षेत्र के चुने हुए सरकारी विद्यालयों में आगामी दिनों में एनिमेशन की पढाई की व्यवस्था की जायेगी और विद्यार्थियों को आवश्यकतानुसार डिजिटल शिक्षा के लिए लेपटॉप और टेबलेट भी दिये जायेंगे। यह बात मंगलवार को सूक्ष्म, लघु, मध्यम और उद्यम तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने जावद में कही।

मंत्री श्री सखलेचा शासकीय सीएम राईज स्कूल में क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के कक्षा 11वीं तथा 12वीं के विद्यार्थियों और शिक्षकों की प्रशिक्षण कार्यशाला को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा में नई तकनीक से निरंतर अपडेट करने का प्रयास किया जा रहा है। प्रत्येक छात्र-छात्रा अपनी नियमित पढाई के साथ ही नये कौशल में दक्ष हों। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अग्मेन्टेड रियलिटी एवं वर्चुअल रियलिटी शिक्षा तकनीक से पढ़ाई करेंगे। उम्मीद जताई कि सरकारी स्कूलों के विद्यार्थी डिजिटल शिक्षा के माध्यम से जे.ई.ई., नीट आदि की परीक्षा में सफलता प्राप्त करेंगे।

कार्यशाला में शिक्षा के क्षेत्र में नई तकनीक अग्मेन्टेड रियलिटी एवं वर्चुअल रियलीटी के बारे में बताया गया।

अग्मेन्टेड रियलिटी एक ऐसा टूल है, जिससे छात्र-छात्राओं को किसी भी चित्र को देखकर उसकी वास्तविकता का आभास होता है। इस टूल से किसी भी विषय के बारे में पूरी जानकारी हासिल की जा सकती है। भोपाल के श्री प्रतीक गिल ने वर्चुअल रियलिटी से अध्यापन कार्य का डेमो दिया।

फैटी लिवर परीक्षण व परामर्श शिविर 18 को

भोपाल। राजधानी भोपाल में डॉ. अभिनय सोनी एमबीबीएस, एमडी (मेडिसिन) द्वारा अरुग्न क्लिनिक मीनल रेजीडेंसी भोपाल में 18 नवंबर 2022 को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक फैटी लिवर जागरूकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि फैटी लिवर रोग के बारे में जागरूकता के लिए यह एक अभियान है। यह अब वैश्विक महामारी बन चुकी है। डाक्टर अभिनय सोनी बताते हैं कि दुनिया भर में तेजी से बढ़ रहे इस रोग के बारे में लोगों में बहुत कम जागरूकता है। इसका निदान केवल फाइब्रोस्कैन द्वारा किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि रोग के बारे में जनजागरुकता एवं इलाज के लिए शिविर का आयोजन किया गया है। जिसमें फाइब्रोस्कैन मशीन द्वारा जांच की जाएगी। टेस्ट की कीमत लगभग 4500 रुपये है। वहीं रजिस्ट्रेशन पर 500 रुपए लिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि शिविर में लीवर फाइब्रोस्कैन का परीक्षण किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि फाइब्रोस्कैन एक अल्ट्रासाउंड टेस्ट के समान है, जो लीवर रोग का निदान करने के लिए लीवर की कठोरता को मापता है। शिविर स्थल मिनाल रेसीडेंसी स्थित राज एवेन्यू-1, शाप नं. 10/11 मिनाल गेट नं. 2 भोपाल के पास स्थित है।

मिनी स्मार्ट सिटी के पूर्ण कार्यों को टेक ओवर करें नगरीय निकाय

भोपाल। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आयुक्त-सह-प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी श्री भरत यादव ने सभी मिनी स्मार्ट सिटी के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया है कि पूर्ण हो चुके कार्यों को शीघ्र टेक ओवर करें, जिससे निर्माण कार्यों का समुचित उपयोग हो सके। श्री यादव आज मिनी स्मार्ट सिटी कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने शेष कार्यों को भी जल्द पूर्ण करने को कहा। श्री यादव ने कहा कि मिनी स्मार्ट सिटी के कार्य तय समय-सीमा में पूरे नहीं होने पर संबंधित मुख्य नगर पालिका अधिकारी को जिम्मेदार माना जायेगा। उन्होंने कहा कि जो भी कार्य अपेक्षित हैं या विलोपित करना है, उनका निगरानी समिति से अनुमोदन करायें। उल्लेखनीय है कि मैहर, चित्रकूट, अमरकंटक, रतलाम, चांदिया, गंजबसौदा, सिंगरौली, दतिया, ओरछा, पन्ना, मुगांवली, गुना और सीधी में मिनी स्मार्ट सिटी का कार्य किया जा रहा है। प्रबंध संचालक ने एशियन डेवलपमेंट बैंक की सहायता से पूर्ण हो चुकी राहतगढ़, पेटलावद, मउगंज, सोहागपुर, बनखेड़ी, बैतूल बाजार, फूफकलां, सुसनेर, माकडोन, ईसागढ़, बरही, हटा, शाडौरा, भेड़ाघाट, मिहोना, आमला, भाबरा, पाटन, पनागर, कटंगी और मझौली जल-प्रदाय परियोजनाओं एवं विश्व बैंक सहायित

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 31 जनवरी से 11 फरवरी तक

भोपाल। मध्यप्रदेश में नए साल में 31 जनवरी से 11 फ़रवरी 2023 तक 12 दिन, 9 शहरों के 23 अलग अलग गेम वेन्यू में लगभग 6 हज़ार से अधिक खिलाड़ी 27 विभिन्न खेलों में ÷खेलो इंडिया यूथ गेम्स÷ के पाँचवे संस्करण में अपने राज्य को ज़्यादा से ज़्यादा पदक दिलाने के लिए कड़ा मुक़ाबला करेंगे। प्रदेश के आठ शहर, भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, मंडला, महेश्वर और बालाघाट में खेलों का आयोजन किया जाएगा। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया की गेम्स टेक्निकल कंटेंट कमिटी जी टीसी सी ने प्रदेश के सभी 8 शहरों के खेल मैदानों का भ्रमण कर लिया है। मंगलवार को जीटीसीसी की मीटिंग में कौन से खेल कहाँ आयोजित होंगे इस पर अंतिम निर्णय लिया गया।

कहाँ और कब होगें मुक़ाबले

खेलो इंडिया यूथ गेम्स में तीरंदाज़ी जबलपुर के क्रिकेट ग्राउंड रानी ताल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 31 जनवरी -2 फरवरी तक आयोजित होगा, जिसमें चार इवेंट में कुल 64 खिलाड़ी भाग लेंगे। भोपाल के टीटी नगर स्टेडियम में होने वाले एथलेटिक्स प्रतियोगिता में 2से 4 फ़रवरी तक 34 इवेंट में कुल 512 खिलाड़ी शामिल होंगे। मध्यप्रदेश राज्य बैडमिंटन अकादमी ग्वालियर में 31 जनवरी से 3 फ़रवरी तक होने वाले दो इवेंट में 64 खिलाड़ी मुक़ाबला करेंगे। भोपाल के टीटी नगर स्टेडियम के डीएसवाइ डब्ल्यू हॉल में 31 से 4 फरवरी तक होने वाले पाँच दिवसीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में 300 बॉक्सर्स 20 इवेंट में नॉक आउट फ़ाइट करेंगे। इसी हॉल में 7 से 11 फ़रवरी तक पाँच दिन कुश्ती के 21 इवेंट के मुक़ाबले होगें। इसमें विभिन्न राज्यों के लगभग 336 पहलवान भाग लेंगे। खेलो इंडिया युद्ध गेम्स में शूटिंग के चार दिवसीय मुक़ाबले मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी में होंगे। विभिन्न राज्यों के 144 शूटर्स 1-4 फ़रवरी तक 10 इवेंट में मुक़ाबला करेंगे।

सिटी ऑफ़ लेक्स के नाम से मशहूर भोपाल में मध्य प्रदेश राज्य वॉटर स्पोर्ट्स अकादमी में खेलो इंडिया यूथ गेम्स के तीन दिवसीय मुक़ाबले होंगे। कयाकिंग एवं केनोइंग के 16 इवेंट में 248 खिलाड़ी 1-3 फ़रवरी तक अपने हुनर का प्रदर्शन करेंगे। इसी प्रकार रोइंग के तीन दिवसीय प्रतियोगिता में 7 से 9 फ़रवरी तक 10 इवेंट में विभिन्न राज्यों के 256 रोवर्स मुक़ाबला करेंगे। सलालम के मुक़ाबले सहस्त्रधारा महेश्वर में होगे।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स में भोपाल स्थित स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के परिसर में वॉलीबॉल के मुक़ाबले 30 जनवरी से 3 फ़रवरी तक आयोजित होंगे। इसी प्रकार यहाँ पर जुड़ो के मुक़ाबले भी 7-10 फ़रवरी तक होंगे। इसमें लगभग 224 खिलाड़ी भाग लेंगे। भोपाल के प्रकाश तरण पुष्कर में 7 से 11फरवरी तक स्विमिंग के पाँच दिन की प्रतियोगिता में 38 इवेंट होंगे, जिसमें कुल 544 प्रतिभागी भाग लेंगे। ग्वालियर के मध्यप्रदेश राज्य बैडमिंटन अकादमी में 31 जनवरी से 3 फ़रवरी तक चार दिवसीय मुक़ाबलों में 64 खिलाड़ी भाग लेंगे। ग्वालियर के ही मध्य प्रदेश महिला हॉकी अकादमी में 3-10 फ़रवरी तक हॉकी कि पुरुष और महिला टीमों की प्रतियोगिताएँ आयोजित होंगी। ग्वालियर के एलएनआईपी इंडोर हॉल में तीन दिवसीय जिम्नास्टिक्स के मुक़ाबले 2-4 फ़रवरी के मध्य आयोजित होंगी।इसमें कुल 284 प्रतिभागी भाग लेंगे। केरल के मशहूर पारंपरिक खेल कलरीपायट्टु के दिलचस्प मुक़ाबले ग्वालियर के ही एलएनआईपी इंडोर हॉल में आयोजित होंगे। इसके चार इवेंट के मुक़ाबले 8-10 फ़रवरी तक होंगे।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स में इंदौर में बास्केटबॉल कॉम्प्लेक्स में 30 जनवरी से 3 फ़रवरी तक बास्केटबॉल की प्रतियोगिताएँ होंगी। पुरूष फ़ुटबॉल इंदौर के एमराल्ड हाईट्स इंटरनेशनल स्कूल में 1-10 फ़रवरी तक होंगे। इंदौरवासी भारत के पारंपरिक खेल कबड्डी के मुक़ाबले 6 से 10 फ़रवरी तक अभय प्रशाल स्पोर्ट्स क्लब इंदौर में देख सकते हैं। अभय प्रशाल स्पोर्ट्स क्लब इंदौर में ही टेबल टेनिस के मुक़ाबले 30 जनवरी से 3 फ़रवरी तक होंगे, जिसमें 64 खिलाड़ी भाग लेंगे। देश के 64 खिलाड़ी लॉन टेनिस के मुक़ाबले 3-8 फ़रवरी तक इंदौर टेनिस क्लब में खेलेंगे। इंदौर के बास्केटबॉल कॉम्प्लेक्स में वेट लिफ्टिंग के मुक़ाबले 6 से 10 फ़रवरी तक होंगे। इसमें 264 खिलाड़ी भाग ले रहे है। जबलपुर के रानी ताल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में फेंसिंग के 12 इवेंट 7 से 10 फ़रवरी तक होंगे। लगभग 240 खिलाड़ी तलवारबाज़ी का हुनर प्रस्तुत करेंगे। इसी प्रकार रानी ताल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में ही 31 जनवरी से 4 फ़रवरी तक खो-खो के मुक़ाबले होंगे। जबलपुर के खजूरी एन.एच. 30 में साइक्लिंग (रोड) के मुक़ाबले 8 और 9 फ़रवरी को होंगे। साइक्लिंग (ट्रक) इवेंट नई दिल्ली के साइक्लिंग वेलोड्रोम आईजी स्टेडियम में होंगे। साइक्लिंग में कुल 108 खिलाड़ी भाग ले रहे है। मध्यप्रदेश के राज्य खेल मलखंभ की प्रतियोगिताएँ उज्जैन में 6 से 10 फ़रवरी तक माधव सेवा न्यास हॉल में होंगी। मलखंभ में अलग-अलग राज्यों से कुल 244 खिलाड़ी अपना हुनर दिखाएँगे। इसी हॉल में 1-3 फ़रवरी तक योगासन के मुक़ाबले होंगे। विभिन्न राज्यों के 90 युवा खिलाड़ी योग क्रियाओं का प्रदर्शन कर पदकों के लिए मुक़ाबला करेंगे।

ओंकार पर्वत पर 36 हैक्टेयर में अद्वैत वन विकसित किया जाएगा

भोपाल। मालवा और निमाड़ में उज्जैन, इंदौर और महेश्वर के साथ ही पर्यटन सर्किट में शामिल ओंकारेश्वर में आदिगुरू शंकराचार्य का एकात्मधाम आकार ले रहा है। जो अद्वैत भाव के जागरण का प्रमुख केंद्र बनेगा। इस प्रकल्प अंतर्गत ओंकार पर्वत पर आचार्य शंकर के बालरूप की 108 फुट ऊंची प्रतिमा, संग्रहालय, अंतरराष्ट्रीय अद्वैत संस्थान के अलावा करीब 36 हैक्टेयर क्षेत्र में अद्वैत वन विकसित होगा। आचार्य शंकर की ज्ञानस्थली ओंकार पर्वत को हरा-भरा बनाने की दृष्टि से एकात्मधाम में लगभग 125 हैक्टेयर में से 36 हैक्टेयर में स्थानीय मौसम और मिट्टी के अनुरूप पौधरोपण कर 36 हैक्टेयर में अद्वैत वन तैयार होगा। इसकी योजना भारतीय उद्यान विशेषज्ञ कर रहे हैं। अद्वैत वन में पौधरोपण का कार्य रामचंद्र मिशन हैदराबाद संस्था हार्ट फूलनेस रामचंद्र मिशन ट्रस्ट को दिया गया है। संस्था प्लांटेशन का कार्य देशभर में करती है। पर्वत की समस्त खाली जमीन पर हरियाली विकसित की जाएगी। यहां पर धार्मिक महत्व और पर्यावरणहितेशी पेड़ों के अलावा औषधिय पौधे पर लगें। यह पूरा संस्थान सघन वन से घिरा हुआ दूर से दिखाई देगा।

सपरिवार आने वाले पर्यटकों के लिए एकात्म धाम में पर्यावरण संरक्षण का पर्याय और मिसाल बनेगा। शंकर संग्रहालय के पृष्ठ भाग की ओर आठ से दस फीट लंबे लगभग 30 हजार पौधे रोपित किए जाएंगे।

स्वामी **पंकज पाराशर** प्रकाशित मुद्रक **संपादक- शबाना चांद बाबू खान** के द्वारा अर्जरिया प्रिंटर महल रोड छतरपुर से मुद्रक कराकर वार्ड नंबर 26 35 आदर्श मार्ग महल रोड रानी तलैया छतरपुर एमपी से प्रकाशित सभी विवादों का न्याय क्षेत्र छतरपुर न्यायालय रहेगा कानूनी सलाहकार एडवोकेट खलील चौधरी, एडवोकेट रमेश खरे, एडवोकेट नितिन खरे, एडवोकेट समीम खान (उच्च न्यायालय जबलपुर)। ग्रुप संपादक- **बी पी तिवारी** मो. -9752364300